मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 7 अंक 174
बुधवार, 08 जनवरी 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

हर खबर निष्पक्षता के साथ

दिल्ली में चुनावी दंगल का आगाज, 5 फरवरी को होगी वोटिंग, 8 को आएंगे नतीजे, आचार संहिता लागू

नई दिल्ली, 07 जनवरी। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आज चुनाव आयोग ने तारीखों का ऐलान कर दिया। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया कि दिल्ली में एक चरण में वोट डाले जाएंगे। दिल्ली में वोट डालने की तारीख 5 फरवरी होगी जबकि नतीजे 8 फरवरी को आएंगे। इसके साथ ही दिल्ली में आचार संहिता लागू हो गई है। दिल्ली में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच है। हालांकि कांग्रेस भी पूरी ताकत के साथ इस चुनाव में उतरने जा रही है।

दिल्ली की 70 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को समाप्त हो रहा है और नए सदन के गठन के लिए उससे पहले चुनाव होने हैं। दिल्ली में पारंपरिक रूप से एक ही चरण में विधानसभा चुनाव होते रहे हैं।

भ्रष्टाचार के आरोपों से जूझ रही सत्तारूढ़ आप की नजर हैट्रिक पर होगी। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली पार्टी ने 2015 और 2020 के चुनावों में क्रमशः 67 और 62 सीटों के साथ जीत हासिल की।

पिछले दो चुनावों में केवल एक अंक तक सिमट गई भाजपा 26 साल के अंतराल के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है। कभी 15 साल तक दिल्ली पर शासन करने वाली कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अअढ के साथ गठबंधन करने के बाद अकेले चुनाव लड़ेगी। 2025 के पहले चुनाव को तीनों पार्टियों के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई के तौर पर देखा जा रहा है।

पिछले साल, केजरीवाल ने शराब नीति मामले में जमानत के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और कहा था कि जब दिल्ली के लोग उन पर भरोसा जताएंगे तो वह दोबारा मुख्यमंत्री बनेंगे। इस बार, पार्टी सत्ता विरोधी लहर और अपने प्रतिद्वंद्वियों को मात देने के लिए महिलाओं और बुजुर्गों को लक्ष्य करते हुए कई कल्याणकारी योजनाओं पर भरोसा कर रही है।

एचएमपीवी वायरस मामला मुंबई हाईकोर्ट पहुंचा, वकील ने अदालत में दाखिल की याचिका

मुंबई, 07 जनवरी। महाराष्ट्र के नागपुर में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) के दो संदिग्ध मामले सामने आए हैं और दोनों मरीज स्वस्थ हैं। उनके नमूने एकत्र कर लिए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मरीजों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया और उनके नमूने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) को भेजे गए हैं। पत्रकारों से बातचीत के दौरान जिलाधिकारी विपिन इटनकर ने बताया, नागपुर में एचएमपीवी रोगियों के बारे में मीडिया रिपोर्ट गलत हैं। सात और 14 साल के दो बच्चों का एक निजी अस्पताल के बाह्य रोगी विभाग में इलाज

किया गया और उनके नमूनों की जांच की गई तथा उन्हें संदिग्ध के रूप में चिह्नित किया गया है।

एक वकील ने मंगलवार को बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर पीठ से एचएमपीवी वायरस मामलों का संज्ञान लेने और महाराष्ट्र सरकार को इसके लिए तत्काल उपाय करने का निर्देश देने का आग्रह किया। अपनी याचिका में वकील श्रीरंग भंडारकर ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 2020 में सीओवीआईडी -19 महामारी का स्वतः संज्ञान लिया था, और कहा कि अब भी इसी तरह की कार्रवाई की आवश्यकता है। उच्च न्यायालय 10 जनवरी को याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

अधिवक्ता श्रीरंग भंडारकर ने अपनी याचिका में कहा कि एचएमपीवी के दर्ज मामलों में हाल ही में हुई वृद्धि सतर्कता, तैयारी और सक्रिय सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों की आवश्यकता को रेखांकित करती है। इसने उच्च न्यायालय से राज्य के स्वास्थ्य विभाग को एचएमपीवी की निगरानी, जांच और वायरस का पता लगाने में तेजी लाने तथा फैल रहे श्वसन वायरस पर एक कार्य बल गठित करने का निर्देश देने का आग्रह किया।

उम्मीद है आयोग दिल्ली में चुनाव को सांप्रदायिकता से दूषित होने से बचाएगा : मायावती

लखनऊ, 07 जनवरी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने दिल्ली विधानसभा चुनाव की घोषणा का स्वागत किया और उम्मीद जतायी कि निर्वाचन आयोग सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही चुनाव को साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से दूषित होने से बचाएगा। बसपा प्रमुख मायावती ने मंगलवार को एक्स पर पोस्ट किया, दिल्ली विधानसभा चुनाव आगामी पांच फरवरी 2025 को एक चरण में होगा। निर्वाचनआयोग द्वारा इस बारे में की गयी घोषणा का स्वागत।

उन्होंने कहा, बसपा यह चुनाव अपनी पूरी तैयारी व दमदारी के साथ अकेले अपने बलबूते पर लड़ रही है। उम्मीद है कि पार्टी इस चुनाव में जरूर बेहतर प्रदर्शन करेगी। मायावती ने सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, चुनाव लोकतंत्र की रीढ़ है और बाहुबल व धनबल से दूर रहने वाली गरीबों-मजलूमों की पार्टी बसपा आयोग से यह उम्मीद रखती है कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव कराने के क्रम में सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग के साथ ही साम्प्रदायिकता व अन्य घिनौने प्रचार से चुनाव को दूषित होने से बचाएगा। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पोस्ट में मतदाताओं से अपील करते हुए कहा, वे किसी पार्टी के लुभावने वादे के बहकावे में ना आकर अपने वोट का पूरी समझदारी से इस्तेमाल करके जनहित एवं जनकल्याण को समर्पित बसपा के उम्मीदवारों को ही वोट करें, यही अपील।

रमेश बिधूड़ी के बयान के खिलाफ कांग्रेस का हल्लाबोल

तेलंगाना। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा कथित तौर पर भगवा पार्टी के कार्यालय पर पथराव के बाद मंगलवार को नामपल्ली में तेलंगाना भाजपा कार्यालय में झड़प के दौरान एक भाजपा कार्यकर्ता घायल हो गया। यह विरोध दिल्ली के कालकाजी से चुनाव लड़ रहे भाजपा नेता रमेश बिधूड़ी द्वारा कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के बारे में की गई विवादास्पद टिप्पणी से शुरू हुआ। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए और भाजपा कार्यालय पर धावा बोलने का प्रयास किया लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। तनाव तब बढ़ गया जब भाजपा कार्यकर्ता युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भिड़ गए, जिसके परिणामस्वरूप मारपीट हुई। राज्य भाजपा महासचिव कासम वेंकटेश्वरलु ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया और उन्हें कांग्रेस के गुंडे करार दिया।

धार्मिक स्थानों में वीआईपी संस्कृति की उपराष्ट्रपति ने की आलोचना

बोले- यह देवत्व के खिलाफ, इसे खत्म किया जाना चाहिए

नई दिल्ली, 07 जनवरी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने श्री मंजुनाथ स्वामी में पूजा करने वाले भक्तों के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए श्री सानिध्य परिसर का उद्घाटन करने के लिए मंगलवार को कर्नाटक में श्री क्षेत्र धर्मस्थल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने धार्मिक स्थानों पर वीआईपी संस्कृति की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हाल के वर्षों में एक सुखद बदलाव बुनियादी ढाँचे का विकास रहा है जो हमारे धार्मिक स्थानों के लिए महत्वपूर्ण है। इसकी सराहना की जानी चाहिए क्योंकि ये हमारे सभ्यतागत मूल्यों के भी केंद्र हैं।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें धार्मिक संस्थानों में समानता के विचार को फिर से स्थापित करना चाहिए। जब प्राथमिकता दी जाती है, जब किसी को प्राथमिकता दी जाती है, जब हम इसे वीवीआईपी या वीआईपी के रूप में लेबल करते हैं, तो यह समानता की अवधारणा को कमजोर करता है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वीआईपी संस्कृति एक विपथन है, समानता के आधार पर देखा जाए तो यह एक घुसपैठ है। इसका समाज में तो क्या धार्मिक स्थलों में भी कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे आशा है कि सर्वकालिक महान व्यक्ति के नेतृत्व में यह धर्मस्थल समतावाद का उदाहरण बनेगा और हमें सर्वकालिक वीआईपी संस्कृति से दूर रहना होगा। वीआईपी दर्शन का विचार ही देवत्व के विरुद्ध है। इसे खत्म किया जाना चाहिए। नई सुविधा की परिकल्पना डी वीरेंद्र हेगड़े ने की है और यह दर्शन के इच्छुक भक्तों के लिए मौजूदा कतार प्रणाली का एक उन्नत प्रतिस्थापन है। मंदिर प्रबंधन ने कहा कि श्रीक्षेत्र धर्मस्थल में प्रारंभिक कतार प्रणाली दशकों पहले शुरू की गई थी, लेकिन धार्मिक स्थल पर भक्तों की बढ़ती संख्या के कारण प्रतीक्षा अवधि लंबी हो गई।

बाबा विश्वनाथ धाम में संस्कृत के छात्रों ने किया अपनी विद्या का प्रदर्शन

- प्रतियोगिताओं से संस्कृत भाषा की महत्ता को बढ़ावा मिलता है
- सांसद संस्कृत प्रतियोगिता- 2025 का आयोजन

सुरेश गांधी

वाराणसी। श्री काशी विश्वनाथ धाम स्थित त्रयम्बकेश्वर सभागार में मंगलवार को सांसद संस्कृत प्रतियोगिता- 2025 का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता के पहले दिन संस्कृत के छात्रों ने भाषा में अपनी विद्या का प्रदर्शन करते हुए इस भाषा के प्रति अपनी निष्ठा व्यक्त की। इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि इस आयोजन से संस्कृत भाषा की महत्ता को बढ़ावा मिलता है और छात्रों में संस्कृत के प्रति रुचि को प्रोत्साहन मिलता है।

कार्यक्रम में शास्त्रीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें प्रथमा स्तर और मध्यमा स्तर की श्रेणियों में विभिन्न संस्कृत विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में छात्रों ने संस्कृत काशी के समस्त विद्वानों ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी के लोकप्रिय सांसद नरेन्द्र मोदी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उदघाटन सत्र के मुख्यातिथि प्रो. रामपूजन पाण्डेय ने कहा कि इस सांसद प्रतियोगिता से छात्रों को अपने प्रतिभा प्रदर्शन का एक बहुत बड़ा मंच मिल रहा है, जिससे संस्कृत शास्त्रों के प्रति छात्रों में बहुत ही रूचि बढ़ रही है।उदघाटन सत्र के विशिष्टातिथि प्रो. अमित कुमार शुक्ल ने न्यास के इस सारस्वत कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि न्यास परिषद् इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों में उन्नत संस्कार का अवांह कर रहा है। उदघाटन सत्र के सारस्वतातिथि प्रो. ब्रजभूषण ओझा ने अपने वक्तव्य में कहा की हम संस्कृतज्ञों का सौभाग्य है कि साक्षात विश्वेश्वर के प्रांगन में शास्त्र सुनने ०सुनाने का अवसर मिल रहा है। पं. दीपक मालवीय ने अपने वक्तव्य में कहा की न्यास परिषद् इस तरह के उत्तम कार्यों को कर रहा है जिससे शास्त्र एवं भारतीय संस्कृति को बहुत बल मिलेगा।उदघाटनसत्र का आरंभ पं. वेंकट रमण घनपाठी के मंगलाचरण से हुआ ए सभा का सञ्चालन डा सिद्धिदात्री भरद्वाज ने किया एवं समस्त अतिथियों, निर्णायकों, अध्यापकों एवं प्रतिभागी छात्रों का धन्यवाद् ज्ञापन काशी विश्वनाथ मंदिर के डिप्टी कलेक्टर श्री शम्भू शरण जी ने किया। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 7-8 जनवरी 2025 तक आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. रामपूजन पाण्डेय (अध्यक्ष- न्याय वशैषीक, संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी), विशिष्ट अतिथि प्रो. अमित कुमार शुक्ल (संकाय प्रमुख- वेदवेदांग संकाय, संपूणार्नंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी), प्रो. ब्रजभूषण ओझा (पूर्व सदस्य- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास), पं. दीपक मालवीय (पूर्व सदस्य- श्री काशी विश्वनाथ मंदिर आदि।

नये भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों की शक्ति लगे

-ललित गर्ग

प्रवासी भारतीय दिवस- 9 जनवरी, 2025

प्रवासी भारतीय दिवस भारत के विकास में प्रवासी भारतीय समुदाय के योगदान को चिह्नित करने के लिए हर साल 9 जनवरी को मनाया जाता है। 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी, सबसे बड़े प्रवासी के रूप में दक्षिण अफ्रीका से भारत लौट थे और भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नेतृत्व किया। यह दिवस भारत सरकार का एक प्रमुख, दूरगामी एवं उद्देश्यपूर्ण कार्यक्रम है, जो विदेशों में बसे भारतीयों को भारत के साथ जोड़ने और आपस में संवाद करने का एक मंच प्रदान करता है। इस वर्ष का 18वां प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन 8 से 10 जनवरी 2025 के बीच ओडिशा राज्य सरकार के सहयोग से भुवनेश्वर में आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के इस दिवस की थीम है ह्वविकसित भारत में प्रवासी भारतीयों का योगदानह्व। यह थीम भारत को आत्मनिर्भर और विश्वस्तरीय विकसित राष्ट्र बनाने में प्रवासी भारतीयों के योगदान को रेखांकित करती है। क्योंकि प्रवासी भारतीय आज वैश्विक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण और विशिष्ट शक्ति बन गया है, जो हर क्षेत्र में एक ऊजार्वान और आत्मविश्वासी समुदाय के रूप में विकसित होकर भारत का गौरव बढ़ा रहा है और विभिन्न देशों में उच्च पदों पर स्थापित होकर विश्व मामलों में शानदार योगदान दे रहा है। प्रवासी भारतीयों ने असाधारण समर्पण, प्रतिभा कौशल, लगन और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन करते हुए कला, साहित्य, संस्कृति, राजनीति, खेल, व्यवसाय, शिक्षा, फिल्म परोपकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित जीवन के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट बनने के लिए कई चुनौतियों को पार किया है।

दुनिया में सर्वाधिक प्रवासी भारतीय हैं। वर्तमान में खाड़ी देशों में लगभग 8.5 मिलियन भारतीय रहते हैं जो दुनिया में प्रवासियों की सबसे

बड़ी आबादी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 4 मिलियन भारतीय हैं। यहाँ मैक्सिको के बाद भारतीयों की दूसरी सबसे अधिक आबादी है। इसके अतिरिक्त कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, मॉरीशस, श्रीलंका, सिंगापुर, नेपाल सहित अन्य देशों में प्रवासी भारतीयों की बड़ी आबादी रहती है। विदेशों में रहते हुए भी प्रवासी भारतीय अपने देश, अपनी माटी, अपनी संस्कृति एवं अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। आज की तारीख में भारतीय नई शक्ति के तौर पर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर अपना लोहा मनवा चुके हैं। विश्व बैंक की रिपोर्ट में बताया गया है कि पूरी दुनिया में सबसे अधिक पैसा भारतीयों ने अपने देश भेजा है। विश्व बैंक के आंकड़ों से पता चला है कि 2024 में भारत को प्रवासी भारतीयों से 129 बिलियन डॉलर का धन मिला है। यह अब तक का सबसे ज्यादा है। भारत की विकास गाथा लिखने के साथ परोपकारी कार्य करने के लिए प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रवासी भारतीयों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण बनाए रखने के कारण ही साझा पहचान मिली है। उनकी सफलता का श्रेय उनकी परम्परागत सोच, सांस्कृतिक मूल्य, शैक्षणिक योग्यता एवं प्रतिभा को दिया जाना चाहिए। वैश्विक स्तर पर सूचना तकनीक के क्षेत्र में क्रांति में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रवासी भारतीयों की ताकत को देखते हुए और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ने के लिए 2002 में एनडीए की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने हर वर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय किया था।

नौकरी, उद्योग, व्यापार और दूसरे कई कारणों से अपना देश छोड़कर दूसरे देशों में रहने वालों में भारतीयों की आबादी दुनिया में सर्वाधिक है। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा और कई अन्य देशों में भारतीय वहां की सरकारों में मंत्री और सांसद तो निर्वाचित हुए ही हैं बल्कि नीति निर्धारक विभागों में उच्च पदों पर आसीन हैं। भारतीयों की खासियत है कि वे जिस भी देश में गए उन्होंने वहां की संस्कृति और संविधान को आत्मसात कर लिया। वहां के व्यापार, उद्योग, चिकित्सा क्षेत्र आदि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। भले ही प्रवासी भारतीयों ने वहां का सब कुछ आत्मसात कर लिया है लेकिन वह भारत माता की माटी की सुगन्ध को नहीं भूले। उनकी रगों में भारत की संस्कृति एवं संस्कार रचे-बसे हैं। प्रवासी भारतीयों के समर्थन से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता एक वास्तविकता बन सकती है। भारत ने नवंबर 2017 में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में न्यायमूर्ति दलवीर भंडारी की पुनर्नियुक्ति के लिए संयुक्त राष्ट्र में दो-तिहाई मत हासिल कर अपने राजनयिक प्रभाव का प्रदर्शन किया। यह कोई छोटी बात नहीं है कि दुनिया के कोने-कोने में भारतवंशी और प्रवासी भारतीयों की राजनीतिक, आर्थिक और कारोबारी क्षेत्रों में तेजी से बढ़ती ऊंचाइयां भारत के तेज विकास के मद्देनजर महत्वपूर्ण हो गई हैं।

दुनिया के अनेक देशों में कई और भारतवंशी राजनेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाते हुए विश्व के समक्ष भारत के चमकते हुए चेहरे हैं। साथ ही ये विश्व मंच पर भारत के हितों के हिमायती भी हैं और हरसंभव तरीके से भारत के विकास में अपना अहम योगदान देते हुए भी दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, दुनिया के विभिन्न देशों में राजनीति की ऊंचाइयों पर पहुंचने के साथ-साथ भारतवंशी व प्रवासी भारतीय वैश्विक आर्थिक व वित्तीय संस्थानों आईटी, कम्प्यूटर, मैनेजमेंट, बैंकिंग, वित्त आदि के क्षेत्र में भी बहुत आगे हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतवंशियों और प्रवासी भारतीयों के लिए विदेशों की नई संस्कृति में ढलकर इस तरह की सफलता हासिल करना आसान नहीं होता है। ऐसे विभिन्न क्षेत्रों के चमकते सितारे अपनी चमक का लाभ मातृभूमि भारत के लिए भी विस्तारित कर रहे हैं। गौरतलब है कि अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न देशों में भारत को विकास की डगर पर आगे बढ़ाने के लिए भारत हितैषी संगठन काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष 2023 में भारत की जी-20 की अध्यक्षता और विगत 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन को सफल बनाने में प्रवासी भारतीयों के संगठन इंडियास्पोरा का अभूतपूर्व योगदान रहा है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस पर भुवनेश्वर में आयोजित सम्मेलन में 50 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीय भाग ले रहे हैं। निश्चित ही प्रवासी भारतीयों की सामूहिक शक्ति और क्षमता राष्ट्र के समावेशी विकास को और बल प्रदान करेगी। सशक्त भारत-नया भारती एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को प्राप्त करने हेतु हमारी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए वे अपनी ऊर्जा, अनुभव, विचारों, व्यापार कौशल, निवेश, तकनीकी विशेषज्ञता और नॉलेज शेयरिंग में योगदान देंगे। मातृभूमि की माटी की पुकार ऐसी होती है जो समय और दूरी की बाधाओं को नहीं देखती है। प्रवासी भारतीयों ने दुनिया के विभिन्न कोनों में अपने निवास के देशों में समृद्ध और उत्पादनशील जीवन का निर्माण किया है। इस सम्मेलन में असाधारण योग्यता के व्यक्तियों के भारत के विकास में उनकी भूमिका की सराहना करने के लिए प्रतिष्ठित प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार से सम्मानित करने की प्रोत्साहन योजना भी है। ह्वविकसित भारतह्व के दृष्टिकोण के साथ, यह सम्मेलन भारत और उसके प्रवासी समुदाय के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक प्रभावी मंच है। भारतीय प्रवासी समुदाय को भारत की विकास यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरणा का एक सशक्त माध्यम है।

नक्सलवाद को समाप्त करने के साथ उन्हें बढ़ावा देने वालों पर भी हो नजर

अशोक भाटिया

2 वर्ष के बाद फिर छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने दोबारा सर उठाया है। नक्सलियों द्वारा किए जाने वाले बड़े हमलों में अंतिम बार छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में 26 अप्रैल, 2023 को 10 जवान मारे गए थे। इसके बाद सोमवार दोपहर नक्सलियों द्वारा किये गए अब यह दूसरा और इस साल का पहला सबसे बड़ा हमला है जिसमें बीजापुर के आईईडी ब्लास्ट में आठ जिला रिजर्व गार्ड और एक ड्राइवर की मौत हो जाने के तुरंत बाद इस संवेदनशील मामले में उच्च स्तरीय मीटिंग जारी है । मामले को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने छत्तीसगढ़ पुलिस के डीजीपी और अन्य संबंधित फोर्स के चीफ भी सक्रीय हो गए है । अब सुरक्षाबल इसका जवाब देने की तैयारी कर रहे हैं।यह ठीक है कि केंद्र सरकार ने यह संकल्प ले रखा है कि मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति को सुनिश्चित करते हुए यह भी देखा जाना जरूरी है कि आखिर नक्सलियों को आधुनिक हथियार और विस्फोटक कहां से मिल रहे हैं? गत दिवस उन्होंने जिस विस्फोटक का इस्तेमाल कर डीआरजी की गाड़ी को निशाना बनाया, वह इतना शक्तिशाली था कि जवानों के चिथड़े उड़ गए और वाहन के परखच्चे उड़कर पेड़ पर जा टंगे।

यदि यह मान लिया जाए कि नक्सली उगाही और वन संपदा के दोहन के जरिये पैसा जुटा लेते हैं, तो भी प्रश्न यह उठता है कि आखिर वे आधुनिक हथियार कहां से हासिल कर ले रहे हैं? यह तो सामने आता ही नहीं कि उन्हें घातक हथियारों की आपूर्ति कौन करता है? आखिर क्या कारण है कि तमाम नक्सलियों को मार गिराने और उनके गढ़ माने जाने वाले इलाकों में विकास के तमाम कार्यक्रम संचालित किए जाने के बाद भी उनकी ताकत कम होने का नाम नहीं ले रही है? नक्सली अपने खिलाफ जारी अभियान के बीच जिस तरह रह-रहकर सुरक्षा बलों को निशाना बनाने और उन्हें क्षति पहुंचाने में समर्थ हो जाते हैं, वह चिंता का कारण है। नक्सली गुटों में भर्ती होने वालों की उल्लेखनीय कमी न आने से यह भी लगता है कि आदिवासियों और अन्य ग्रामीणों के बीच उनकी पकड़ अभी इतनी ढीली नहीं पड़ी है कि उनकी जड़ें उखड़ती दिखें। ऐसे में उनके खिलाफ सुरक्षा बलों के अभियान को और धार देने के साथ ही उन कारणों का पता लगाकर उनका निवारण करना भी जरूरी है, जिनके चलते वे लोगों का समर्थन हासिल करने में समर्थ हैं। निःसंदेह नक्सलवाद एक विषैली-विजातीय विचारधारा है, लेकिन नक्सलियों को जड़-मूल से समाप्त करने के लिए उनसे विचारधारा के स्तर पर भी लड़ा जाना आवश्यक है। इससे ही नक्सलियों और उन्हें वैचारिक खुराक देने वालों के इस झूठ का पदार्फाश किया जा सकता है कि वे वंचितों के उन अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, जो उनसे छीने जा रहे हैं। इस झूठ को बेनकाब करने के लिए यह भी जरूरी है कि आदिवासियों के नैसर्गिक अधिकार बाधित न होने पाएं। इससे ही उनका भरोसा हासिल किया जा सकता है और उन्हें नक्सलियों से दूर किया जा सकता है।

गौरतलब है कि देश के कुछ राज्यों में नक्सलवाद की समस्या नासूर बन चुका है।खासकर छत्तीसगढ़ । छत्तीसगढ़ का बस्तर जिला प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर माना जाता है । बस्तर के लोग अपनी संस्कृति और विशेष परंपराओं के निर्वहन के लिए जाने जाते हैं।कठिन परिस्थितियों में भी उन्होंने खुशहाल जीवन जीने के लिए स्वयं को प्रकृति के अनुकूल बनाए रखा, अपने को संभाले रखा, लेकिन पिछले कुछ दशक पहले उनके खुशहाल जीवन को नक्सलियों की नजर लग गई, नाच-गाना बंद हो गया, मांदर की थाप मंद पड़ गई, सड़कें सूनी हो गई और स्कूल बंद होने लगे।स्थानीय हाट बाजार भी बंद हो गए, बस्तर के वनवासियों की जिंदगी धीरे-धीरे बेरंग हो गई। पिछले कुछ महीने पहले मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार में यहां के लोगों के बीच एक उम्मीद जगी है कि अब नक्सलवाद खत्म होगा। दरअसल, केंद्र और राज्य सरकार ने नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लेकर काम शुरू किया है। इससे लगने लगा कि बस्तर में अब धीरे-धीरे लोग हिंसा से मुक्ति पा रहे हैं। ये सच भी लगने लगा था क्योंकि पिछले 13 महीने की सरकार में नक्सली बैकफुट पर ही रहे। जवान नक्सलियों पर भारी पड़ते रहे।इसका जश्न भी बस्तर में देखने को मिला ,मगर नक्सलियों ने एक बार फिर कायराना हरकत करते बीजापुर में आठ जवानों को धात लगाकर मार दिया। इस बीच रक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि नक्सलियों पर नियंत्रण पाना उतना सरल नहीं है, जितना कि इसके लिए लक्ष्य का निर्धारण मार्च 2026 तक आसानी से कर लिया गया है।

ऐसे में सरकार को नक्सलियों को जड़ से उखाड़ने के लिए रणनीति में और बदलाव करने होंगे। इसके लिए दो रास्तों पर बराबर जोर देना होगा, या तो उनसे प्यार बातचीत का रास्ता प्रशस्त किया जाए या फिर वार से ही आर-पार की लड़ाई लड़कर निपटा जाए।विशेषज्ञों का मानना है कि नक्सलियों को मुख्य धारा में लाकर उनके लिए लागू होने जा रही पुनर्वास नीति के सफल क्रियान्वयन से नक्सलवाद को खुद हद तक समाप्त किया जा सकता है।ऐसा नहीं है कि इसके लिए पहले कभी प्रयास नहीं हुए हैं। इसके पहले भी सरकार के तमाम प्रयासों के बावजूद भी थोड़े-थोड़े समय पर ही नक्सली सक्रिय होकर सुरक्षा बलों को चुनौती देते रहे हैं, मगर कुछ न कुछ चूक की वजह से मिशन पूरा नहीं हो पाया है।पिछले वर्षों में भी सुरक्षाबलों, राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों- कर्मचारियों और ग्रामीणों की हत्या करने का रिकार्ड नक्सलियों ने बना रखा है। ऐसे में नक्सलियों से पूरी तरह से निपटना अभी भी चुनौती बना हुआ है।

हालांकि इस बात से गुरेज नहीं किया जा सकता है कि प्रदेश में पिछले 13 महीने की मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार के नाम नक्सलवाद के खिलाफ चले अभियान में एतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो चुकी है। इस समयावधि में विष्णु सरकार ने नक्सलवाद के खिलाफ अपनी लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति की है।इस दौरान 221 नक्सली मारे गए हैं, 925 नक्सलियों की गिरफ्तारियां हुई हैं और 738 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह कह सकते हैं कि नक्सली क्षेत्र में सक्रिय 1800 से अधिक नक्सली ठिकाने लग चुके हैं। ये निस्संदेह सुरक्षाबलों की बड़ी कामयाबी कही जा सकती है कि नक्सलियों को योजनाएं अंजाम देने से पहले ही मार गिराया गया, परन्तु अभी भी नक्सलियों के मनोबल को तोड़ने के लिए काम करने की दरकार है।बीजापुर की घटना इसकी तस्दीक कर रही है कि खूफिया तंत्र भी नक्सलियों के मूवमेंट पर सटीक जानकारी जुटाने में फेल साबित हुआ है। अभी भी प्रदेश में लगभग एक हजार नक्सलियों के सक्रिय होने की जानकारी है।खूफिया सूत्रों के अनुसार इन नक्सलियों का आत्मसमर्पण कराने, गिरफ्तार करने के बाद ही नक्सलवाद की लड़ाई जीती जा सकेगी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का मार्च 2026 तक नक्सलियों का सफाया करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

रक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि नक्सली क्षेत्र में एक भी नक्सली नेता केंद्र और राज्य सरकार के नक्सल विरोधी मुहिम के लिए घातक हो सकता है, इसलिए हर नक्सली का खात्मा जरूरी है, ताकि नक्सलियों के संगठन को पूरी तरह से तोड़ा जा सके।बस्तर के आदिवासी युवा नक्सलियों के प्रति आकर्षित न हों, इसके लिए उतनी ही लड़ाई लड़ने की आवश्यकता है जितनी की नक्सलियों से बंदूक की लड़ाई लड़नी पड़ रही है। नक्सली आदिवासी समूहों को यह कहकर अपनी ओर आकर्षित करते हैं कि सरकारें उनके संसाधनों पर पूंजीपतियों को कब्जा दिलाने का प्रयास करती हैं।

ऐसे में राज्य सरकार को चाहिए कि आदिवासी समुदाय को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए वहां औद्योगिक इकाइयों का विस्तार करे। यहां के युवाओं को नौकरी दे ताकि वह नक्सलियों के चंगुल में न फंस सकें। हालांकि हाल में ही राज्य सरकार ने बस्तर ओलिंपिक का आयोजन करके बस्तर के आदिवासियों युवाओं को जोड़ने का काम किया है।इस आयोजन का जिक्र देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी किया था। इसके बाद से यहां के युवाओं और जवानों में नए उत्साह का संचार हुआ है। इस तरह के आयोजन इस क्षेत्र में निरंतर होते रहना चाहिए। वहीं नक्सलियों को अत्याधुनिक सूचना प्रणाली, हेलीकाप्टर आदि के जरिए उन पर नकेल कसने की कोशिश निरंतर होनी चाहिए।

नक्सलियों पर पुलिसिया कार्यवाही के अलावा फंडिंग स्रोतों को भी तोड़ने की जरुरत है । फंडिंग स्रोतों के बारे में जिक्र होने पर उद्योगों से जबरन वसूली पर चर्चा होती रही है। बिहार और झारखंड में पिछले एक दशक के दौरान माओवादी संगठन के लोगों की गिरफ्तारियों के बाद यह बार बार दोहराया गया कि माओवाद प्रभावित इलाकों में जो कॉर्पोरेट बिजनेस करते हैं, उनसे जबरन वसूली माओवादी संगठनों का बड़ा फंडिंग सोर्स रहा है। कॉर्पोरेट से भी ज्यादा अहम उद्योग माइनिंग यानी उत्खनन का रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में यह कारोबार नक्सलियों को 'टैक्स' दिए बगैर नहीं चलता। यही नहीं, यहां अवैध उत्खनन में भी नक्सलियों की बड़ी दखलंदाजी रही है। मार्च 2010 में संसद में केंद्रीय खनन मंत्री हांडीक ने बताया था कि देश भर में 1,61,040 अवैध माइन्स थीं, जिनमें से बड़ी संख्या छत्तीसगढ़, झारखंड व ओडिशा के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में थीं। समझा जा सकता है कि नक्सलियों की जबरदस्त फंडिंग का राज क्या रहा। ताजा जानकारियों की बात करें तो 2018 के आखिरी महीनों में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी एनआईए ने बड़े खुलासे करते हुए बताया था कि छोटे और मझोले किस्म के नक्सली नेता अपने इलाकों के लोगों से भी जबरन वसूली करते रहे। यही नहीं, ये लोग को ऑपरेटिव सोसायटी और म्यूचुअल फंड्स में निवेश भी करते रहे। एनआईए के मुताबिक एक गिरफ्तार माओवादी के मामले में करीब 12 लाख रुपये का निवेश सहारा क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी में होना पाया गया था।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरसः फिर से चिंता में डूबी दुनिया

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस, न्यूमोविरिडे परिवार का हिस्सा है, यह एक श्वसन वायरस है जो हल्की सर्दी से लेकर निमोनिया और ब्रोंकियोलाइटिस जैसे गंभीर फेफड़ों के संक्रमण तक की बीमारियों का कारण बनता है। हालाँकि फ्लू या रेस्पिरेटरी सिन्सिटियल वायरस की तुलना में कम पहचाना जाने वाला, ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस दुनिया भर में श्वसन सम्बंधी बीमारियों का एक महत्त्वपूर्ण कारण है, खासकर सर्दियों और वसंत के दौरान। यह वायरस विशेष रूप से कमजोर आबादी जैसे कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले लोगों के लिए एक बड़ा जोखिम पैदा करता है। यह वायरस उनके लिए बड़ी मुश्किलें पैदा कर सकता है, इसलिए जागरूकता बढ़ाना और निवारक कदम उठाना महत्त्वपूर्ण है। शिशु और छोटे बच्चे विशेष रूप से ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी गंभीर श्वसन स्थितियों के प्रति संवेदनशील होते हैं।

बड़े वयस्क 65 वर्ष या उससे अधिक आयु के व्यक्ति, साथ ही अस्थमा या सीओपीडी जैसी पुरानी स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों में जटिलताएँ होने की संभावना अधिक होती है। गर्भावस्था के दौरान एचएमपीवी के कारण श्वसन सम्बंधी समस्याएँ हो सकती हैं, जो माँ और बच्चे दोनों के स्वास्थ्य को खतरे में डाल सकती हैं। जिन लोगों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर होती है, चाहे वे किसी चिकित्सा स्थिति या कीमोथेरेपी जैसे उपचार के कारण हों, उनमें गंभीर लक्षण होने का जोखिम अधिक होता है। चीन में एचएमपीवी के हाल ही में हुए प्रकोप ने इस वायरस की संभावित गंभीरता को उजागर किया है, खासकर कमजोर समूहों में। ज्यादातर संक्रमण 14 साल से कम उम्र के बच्चों में हुआ, जिनमें से कई मामलों में उनकी गंभीरता के कारण अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता पड़ी। लक्षणों में लगातार खांसी और बुखार से लेकर ब्रोंकियोलाइटिस और निमोनिया जैसी अधिक गंभीर स्थितियाँ शामिल हैं। अन्य श्वसन सम्बंधी बीमारियों से इसकी समानता निदान और उपचार को जटिल बनाती है।

इसके प्रसार को रोकने के लिए, चीन में स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ धोने, मास्क पहनने और समय पर जाँच जैसे निवारक उपायों पर जोर दिया हैं। वयस्कों में एचएमपीवी के लक्षण अक्सर सामान्य सर्दी या फ्लू जैसे होते हैं। इनमें,लगातार खांसी, अक्सर बलगम उत्पादन शामिल हैं। नाक बंद होना या नाक बहना, बुखार, आमतौर पर हल्का से मध्यम थकान और शरीर में सामान्य दर्द, गले में खराश, गंभीर मामलों में सांस लेने में तकलीफ शामिल हैं। बच्चों में गंभीर लक्षण होने की संभावना अधिक होती है. ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अत्यधिक संक्रामक है और विभिन्न माध्यमों से फैलता है। वायरस तब फैल सकता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति खांसता, छींकता या बात करता है, जिससे श्वसन की बूंदें हवा में फैलती हैं। वायरस संक्रमित व्यक्ति के साथ शारीरिक संपर्क के माध्यम से फैल सकता है, खासकर अगर कोई उनके चेहरे, आंखों या मुंह को छूता है। वायरस सतहों पर बना रह सकता है और दूषित वस्तुओं जैसे कि दरवाजे की कुंडी या मोबाइल डिवाइस को छूने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। छोटे श्वसन कण हवा में निलंबित रह सकते हैं, खासकर भीड़भाड़ वाली या खराब हवादार जगहों पर।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के लक्षण अन्य श्वसन संक्रमणों से मिलते-जुलते हैं, जिससे सटीक निदान विशिष्ट प्रयोगशाला परीक्षणों पर निर्भर करता है। यह आणविक परीक्षण उच्च सटीकता के साथ वायरस की आनुवंशिक सामग्री का पता लगाता है और इसे ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के निदान के लिए स्वर्ण मानक माना जाता है। रैपिड एंटीजन टेस्ट जल्दी परिणाम देते हैं लेकिन पीसीआर टेस्ट की तुलना में कम संवेदनशील होते हैं। अधिकांश लोग बिना किसी जटिलता के लगभग 7 से 10 दिनों में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस से ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, कुछ समूहों को गंभीर जटिलताओं का अधिक जोखिम होता है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस वायरल निमोनिया का कारण बन सकता है, जिसके गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने और गहन देखभाल की आवश्यकता होती है। शिशुओं और छोटे बच्चों को अक्सर वायुमार्ग में सूजन और रुकावट का अनुभव होता है, जिससे सांस लेने में कठिनाई और घरघराहट होती है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस अस्थमा या क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज जैसी मौजूदा श्वसन स्थितियों को खराब कर सकता है। ये संक्रमण, जैसे कि बैक्टीरियल निमोनिया, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण जटिलताओं के रूप में विकसित हो सकते हैं। गर्भावस्था के दौरान ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस के कारण होने वाली श्वसन सम्बंधी समस्याएँ मातृ और भ्रूण के स्वास्थ्य को जोखिम में डाल सकती हैं।

ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस में कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा नहीं है। उपचार का मुख्य उद्देश्य लक्षणों का प्रबंधन करना और जटिलताओं को रोकना है। ठीक होने और ताकत बनाए रखने के लिए आवश्यक है। एसिटामिनोफेन या इबुप्रोफेन जैसी दवाएँ बुखार और शरीर के दर्द को नियंत्रित कर सकती हैं। गंभीर मामलों में, पूरक ऑक्सीजन या मैकेनिकल वेंटिलेशन की आवश्यकता हो सकती है। निमोनिया जैसी जटिलताओं वाले रोगियों को अस्पताल में बारीकी से निगरानी की आवश्यकता हो सकती है। एचएमपीवी को रोकने के लिए, निवारक उपायों पर ध्यान देना महत्त्वपूर्ण है क्योंकि वर्तमान में कोई टीका उपलब्ध नहीं है। संक्रमण के जोखिम को कम करने के लिए, इन उपायों का पालन करें। अपने हाथों को कम से कम 20 सेकंड तक साबुन और पानी से धोएँ। जब साबुन और पानी उपलब्ध न हो तो अल्कोहल-आधारित हैंड सैनिटाइजर का उपयोग करें। ऐसे व्यक्तियों से दूर रहें जिनमें श्वसन सम्बंधी बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। प्रकोप के दौरान भीड़-भाड़ वाले इलाकों से बचें। नियमित रूप से उन सतहों को साफ करना सुनिश्चित करें जिन्हें अक्सर छुआ जाता है, जैसे कि दरवाजे के हैंडल, फोन और काउंटरटॉप। प्रकोप या फ़्लू के मौसम के दौरान मास्क पहनने से श्वसन बूंदों के संपर्क को कम करने में मदद मिल सकती है। यदि आपको कोई लक्षण है, तो वायरस के प्रसार को रोकने के लिए घर पर रहना महत्त्वपूर्ण है। ह्यूमन मेटान्यूमोवायरसऔर इसके संभावित प्रभाव के बारे में जागरूक होना शुरूआती पहचान और रोकथाम के लिए महत्त्वपूर्ण है।

नेताओं की बढ़ती सम्पत्ति गरीबों को मुंह चिढ़ा रही है

भारत में 12.9 करोड़ लोगों को एक वक्त का खाना भी ठीक तरह से मयस्सर नहीं होता और नेताओं की सुरसा के मुंह की तरह बढ़ती सम्पत्ति इनकी गरीबी का उपहास उड़ा रही है। इस पर भी तुर्रा यह है कि देश के नेता आम जनता के लिए काम करते हैं। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू देश के सबसे अमीर मुख्यमंत्री हैं। उनके पास 931 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू दूसरे नंबर पर हैं। उनके पास 332 करोड़ रुपये से अधिक की कुल संपत्ति है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया तीसरे नंबर पर हैं। उनके पास 51 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट में किया गया है। देश के 31 मुख्यमंत्रियों की कुल संपत्ति 1,630 करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि प्रति मुख्यमंत्री की औसत संपत्ति 52.59 करोड़ रुपये है। भारत की प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय या एनएनआई 2023-2024 के लिए लगभग 1,85,854 रुपये थी, जबकि एक मुख्यमंत्री की औसत स्व-आय 13,64,310 रुपये है, जो भारत की औसत प्रति व्यक्ति आय का लगभग 7.3 गुना है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सिर्फ 15 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सबसे कम संपत्ति वाली मुख्यमंत्री हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला 55 लाख रुपये की संपत्ति के साथ सूची में दूसरे सबसे गरीब मुख्यमंत्री हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन 1.18 करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ तीसरे सबसे कम संपत्ति वाले मुख्यमंत्री हैं। मुख्यमंत्रियों की इस सम्पत्ति का खुलासा चुनाव आयोग में दिए गए सम्पत्ति के ब्यौरे से हुआ है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग के पास ऐसा कोई तरीका नहीं है, जिससे यह पता लगाया जा सके कि जो जानकारी दी है, वह सही या कुछ छिपाया गया है। दरअसल देश के नेता चुनाव आयोग को वही जानकारी देते हैं, जिसे वे आयकर रिटर्न में भरते हैं। देश में आयकर रिटर्न भरने वाले भी आयकर और प्रवर्तन निदेशालय के जाल में फंसते रहे हैं। सिर्फ रिटर्न फाइल कर लेने मात्र से किसी की सम्पत्ति या आय दूध की धुली नहीं हो जाती। यदि ऐसा ही होता तो देश के सैकड़ों नेता ईडी, सीबीआई और आयकर के लपेटे में नहीं आते। हालांकि इनके जाल में फंसने के बाद नेता यही राग अलापते रहे हैं कि विपक्ष में होने के कारण उन्हें जानबूझ कर फंसाया गया है।

विपक्षी दलों के दिग्गज नेताओं पर भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा और उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठते रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या सत्तारुढ भाजपा और उसके सहयोगियों में सभी ईमानदार हैं। चन्द्रबाबू नायडू और नीतिश कुमार के समर्थन से बहुमत में केंद्र की भाजपा सरकार में क्या इतना साहस है कि इनके दलों के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई कर सके। क्या यह संभव है कि इन दोनों दलों के नेताओं के भ्रष्टाचार की जानकारी केंद्रीय जांच एजेंसियों को नहीं हो।

यही वजह है कि जांच एजेंसियों पर दुर्भावना से कार्रवाई करने के आरोप लगते रहे हैं। विपक्षी दलों का यह भी आरोप है कि जिन विपक्षी नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया, उनके मामले रफा-दफा कर दिए गए। 2014 से 2022 तक ईडी के निशाने पर रहे क?ीब 95 फीसदी यानी 115 नेता विपक्ष से थे। हालांकि ये आंकड़े 2022 तक के ही हैं। इसके बाद 2023 में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए थे और इस दौरान विपक्षी दलों ने अलग-अलग राज्यों पर हुई ईडी, सीबीआई की छापेमारी को राजनीति से प्रेरित बताया था। वर्ष 2004-14 में 26 नेताओं से ईडी ने पूछताछ की थी। इनमें क?ीब 54 फीसदी यानी 14 नेता विपक्ष से थे। यह संभव है कि मुख्यमंत्रियों और दूसरे नेताओं ने सम्पत्ति व्यवसायों के जरिए अर्जित की हो, या फिर पुश्तैनी हो। इसके बावजूद इतनी भारी सम्पत्ति होना देश में गरीबी की जीवन रेखा से नीचे रहने वालों को मुंह तो चिढ़ाती है। जबकि नेता आम लोगों के प्रतिनिधित्व का दावा करते हैं। वर्ष 2023 बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट में पाया गया है कि दुनिया के सभी गरीब लोगों में से एक तिहाई से अधिक दक्षिण एशिया में रहते हैं- जो लगभग 12.9 करोड़ लोग हैं। भारत इस संख्या में महत्वपूर्ण योगदान देता है, जो अत्यधिक गरीबी में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि के लिए जिम्मेदार है। विश्व बैंक अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा के आधार पर गरीबी को परिभाषित करता है, जिसके अनुसार प्रति व्यक्ति प्रति दिन 2.15 डॉलर की दर से अत्यधिक गरीबी तय की जाती है, जबकि 3.65 डॉलर निम्न-मध्यम आय श्रेणी में आता है, तथा 6.85 डॉलर उच्च-मध्यम आय श्रेणी में वर्गीकृत किया जाता है। वैश्विक निर्धारित गरीबी रेखा 3.65 डॉलर प्रति व्यक्ति है।

भारत का योगदान वैश्विक गरीबी दर में मामूली वृद्धि के 40 प्रतिशत के बराबर है, जो 23.6 प्रतिशत से बढ़कर 24.1 प्रतिशत हो गई है। भारत में गरीबी दर मिटाने के मामले में केरल सबसे आगे है। केरल में सिर्फ. 0.71 प्रतिशत आबादी गरीब है। वहीं, बिहार, झारखंड, और उत्तर प्रदेश में गरीबी दर सबसे ज्यादा है। बिहार में 51.91 प्रतिशत, झारखंड में 42.16 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश में 37.79 प्रतिशत आबादी गरीबी में रहती है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2024 के मुताबिक, भारत को 127 देशों में 105वां स्थान मिला। भारत, अपने पड़ोसी देशों श्रीलंका, नेपाल, म्यांमार, और बांग्लादेश से भी पीछे है। भारत में भुखमरी की वजह से अक्सर मौत भी हो जाती है। भुखमरी के कारण बच्चों और वयस्कों में कुपोषण, बौनापन, और दुर्बलता हो सकती है। भुखमरी सिर्फ.भोजन तक सीमित नहीं है, यह सरकार की जरूरतमंद लोगों की मदद करने में विफलता को दशार्ता है। भारत में भुखमरी की समस्या मुख्य रूप से बिहार, मध्य प्रदेश, असम, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश में है। इन राज्यों में से, बिहार और उत्तर प्रदेश में भारत की कुल भूखी आबादी का एक तिहाई हिस्सा है।

भारत में भ्रष्टाचार का आलम यह है कि देश का एक भी राज्य ऐसा नहीं है, जिसके विभाग को सौ प्रतिशत भ्रष्टाचार से मुक्त कहा जा सकता है। राज्यों में चाहे किसी भी दल की सरकारें हों, हर पार्टी सत्ता में आने के बाद यही दावा करती है कि भ्रष्टाचार को जड़मूल से मिटाया जाएगा। सत्ता में आते ही यह वादा हवा हो जाता है। जब कभी कोई भ्रष्ट कार्मिक पकड़ा जाता है, तब सरकार यही दावा करती है कि किसी भ्रष्टाचारी को बख्शा नहीं जाएगा, किन्तु यह दावा कभी नहीं करती कि जिस विभाग का आरोपी पकड़ा गया है, वह विभाग अब पूरी तरह से भ्रष्टाचार से मुक्त हो चुका है।

देश में भ्रष्टाचार, गरीबी और भुखमरी के बीच नेताओं की बढ़ती हुई सम्पत्ति में बेशक सीधा कोई संबंध न हो किन्तु सवाल तो उठना लाजिमी है। यक्ष प्रश्न यही है कि करोड़ों की आबादी के पास दो वक्त का खाना नहीं है तो नेताओं की सम्पत्ति आखिर कैसे बढ़ रही है। ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है, जिनके आर्थिक हैसीयत राजनीति में आने से पहले आम लोगों जैसी थी, किन्तु जनप्रतिनिधि और मंत्री बनते ही उनकी सम्पत्ति में उछाल आ गया। देश में जब तक गरीबी, बेरोजगारी और भुखमरी जैसी समस्याएं रहेंगी तब तक नेताओं की सम्पत्ति देशहित के दावों की धज्जियां उड़ाती रहेंगी।

-योगेंद्र योगी

एचएमपीवी वायरस से डरें नहीं : स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद पालघर

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। चीन में बड़े पैमाने पर फैल चुके ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस 'एचएमपीवी' वायरस का एक मरीज भारत में मिलने से राज्य का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट हो गया है और पालघर जिला परिषद के स्वास्थ्य विभाग ने नागरिकों से बिना घबराये उचित देखभाल करने की अपील की है। ह्यूमन मेटानिमा वायरस काफी समय से प्रचलन में है, अब चीन में भी इस वायरस के कारण ऐसी ही स्थिति है। यह वायरस आमतौर पर सर्दियों की शुरूआत में प्रचलन में पाया जाता है और सर्दी, बुखार, खांसी जैसे फ्लू जैसे लक्षण पैदा करता है। एचएमपीवी वायरस के संक्रमण से तीव्र श्वसन संक्रमण नहीं हो सकता है या अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं हो सकती है। एचएमपीवी वायरस की पृष्ठभूमि में स्वास्थ्य कर्मियों को कार्य क्षेत्र में सर्वे तेज कर सर्दी, खांसी के मरीजों का नियमित सर्वे करने का निर्देश दिया गया है। सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, जिला परिषद पालघर ने आईसीएमआर/डब्ल्यूएचओ की सिफारिशों के अनुसार निम्नलिखित सुझाव दिया है। जिसमें निम्लिखित तरीकों जिसमें (1) खांसते या छींकते समय अपने मुंह और नाक को रुमाल या टिशू पेपर से ढकें। (2) अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी या अल्कोहल-आधारित सैनिटाइजर से धोएं। (3) यदि आपको बुखार, खांसी और छींक आ रही है तो सार्वजनिक स्थानों से दूर रहना (4) खूब पानी पिना व पौष्टिक भोजन करना आदि को अपनाने को कहा गया है। इसके अलावा निम्नलिखित तरीकों को अपनाने से बचना, जिसमें (1) हाथ मिलाना, टिशू पेपर और नैपकिन रीसाइक्लिंग, (2) बीमार लोगों से निकट संपर्क रखना। (3) आंख, नाक और मुंह को बार-बार छूना। सार्वजनिक स्थान पर थूकना।(4) बिना डॉक्टर की सलाह के दवा लेना आदि से परहेज करने को कहा गया है।

बिहार जनसेवा संस्था ने राजेश पाण्डेय व किशोर चौहान का मनाया जन्मदिन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। बिहार जनसेवा संस्था व डी.आर.फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में प्रसिद्ध गायक व संगीतकार राजेश पाण्डेय तथा लोकप्रिय तबला वादक किशोर चौहान का जन्मदिन रविवार 5 जनवरी 2025 को मुंबई के बोरीवली में स्थित राधाकृष्ण संगीतालय में बड़े धूमधाम के साथ हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत केक काटकर की गई। इस मौके पर गायक व संगीतकार राजेश पाण्डेय की रचना व उन्ही की आवाज में नोवा स्प्रिचुअल इंडिया यू ट्यूब चैनल पर हनुमान चालीसा को रिलीज किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व पुलिस आयुक्त मोहन राठौर तथा विशेष अतिथि के रूप में डी.सी.पी. मुंबई पुलिस संजय पाटील उपस्थित रहे। इस मौके पर बिहार जनसेवा संस्था प्रमुख बबन कुमार सिंह (बी.के.सिंह) द्वारा म्यूजिकल इवनिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें शामिल कलाकारों में गायक आशी विपश्यना, सत्यम आनंद, जय आचार्य, शिवानी, अक्षत, रोहित सिन्हा, रत्ना पाण्डेय, खुशबू श्री, रितु श्री, संगीता, अमिशपाल, कत्थक नृत्य कलाकार प्रार्थना बालेकर व गौरी राव, संतूर वादक रोहन खत्री व रीना खत्री, बांसुरी वादक धीरज पाण्डेय, कीबोर्ड वादक यशवंत, प्रकशन तुषार ने अपनी अपनी कलाओं की उत्कृष्ट प्रस्तुति कर कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में उपस्थित शुभचिंतकों ने गायक व संगीतकार राजेश पाण्डेय तथा तबला वादक किशोर चौहान को जन्मदिन को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। वहीं कार्यक्रम में शामिल सभी लोगों के प्रति बिहार जनसेवा संस्था प्रमुख बी.के.सिंह ने आभार व्यक्त किया।

प्रेस क्लब, कल्याण द्वारा आयोजित प्रेस दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि - अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव

कल्याण (उत्तरशक्ति)। पत्रकार समाज के विभिन्न मुद्दों को प्रशासन के ध्यान में लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। चौथे स्तम्भ के रूप में कार्य करते हुए पत्रकार सदैव शेष तीन स्तम्भों पर नियंत्रण रखता है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त संजय जाधव ने कहा कि अगर प्रशासन और पत्रकार मिलकर काम करें तो निश्चित रूप से अच्छे प्रशासन में देर नहीं लगेगी.

कल्याण पश्चिम के स्वामी नारायण हॉल में प्रेस क्लब, कल्याण द्वारा आयोजित प्रेस दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त अतुल जेंडे, सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणजी घेटे, लोकमत मुंबई संस्करण के संपादक अतुल कुलकर्णी, केडीएमसी के उपायुक्त संजय जाधव, प्रेस क्लब के अध्यक्ष विष्णु कुमार चौधरी और बाजार पेठ पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश गौड़ उपस्थित थे।

पत्रकार विभिन्न विश्लेषणों का उपयोग करने के साथ-साथ समाचार के बारे में संदर्भ और अन्य जानकारी एकत्र करता है। इस तरह की पत्रकारिता करना कोई आसान काम नहीं है. वहीं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की वर्तमान प्रतिस्पर्धा में भी प्रिंट मीडिया ने अपनी विशिष्टता बरकरार रखी है। प्रतिस्पर्धा के इस युग में पत्रकारों को अपना काम करते समय अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना भी उतना ही जरूरी है। इस मौके पर जाधव ने उपस्थित पत्रकारों को सलाह दी पत्रकारों को इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि वे अपना तनाव कैसे कम करें और अपने स्वास्थ्य को कैसे सुरक्षित रखें.

वसई विधायक स्नेहा दुबे ने सदस्यता अभियान पूर्ण करवाया

वसईरोड (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी का संगठन पर्व चल रहा है और पूरे देश में सदस्यता पंजीकरण अभियान शुरू हो गया है. तदनुसार, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, प्रदेश अध्यक्ष चन्द्रशेखर बावनकुले और महाराष्ट्र क्षेत्र प्रभारी विधायक रवींद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में सभी पदाधिकारियों और जन प्रतिनिधियों ने 5 जनवरी को सदस्य पंजीकरण अभियान में भाग लिया। वसई विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने भी पूरे दिन वसई विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर उपस्थित होकर सदस्यता पंजीकरण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारतीय जनता पार्टी कोंकण विभाग के केंद्रीय मंत्री हेमंत म्हात्रे, पालघर जिला प्रभारी एवं महाराष्ट्र प्रदेश सचिव रानी द्विवेदी, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, वसई विधायक स्नेहा दुबे-पंडित, सदस्यता पंजीकरण अभियान जिला संयोजक विश्वास सावंत के मार्गदर्शन में सदस्यता पंजीकरण अभियान चलाया गया। वसई विधानसभा में भी बड़े पैमाने पर लागू किया गया. वसई रोड मंडल क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर सदस्यता पंजीकरण अभियान बूथ स्थापित किए गए थे। एवरशाइन सिटी, वसंत नगरी, फायर ब्रिगेड, वसंत नगरी सर्कल, पंचवटी, ओम नगर, कृष्णा टाउनशिप, सौ फीट रोड, साठ फीट रोड, साईं नगर, मानव मंदिर, वसई रेलवे स्टेशन क्षेत्र, एसटी डिपो क्षेत्र, शास्त्री नगर, विशाल नगर, आनंद नगर, सावरकर नगर, मानिकपुर नाका, दीनदयाल नगर, दोस्ती, स्टेला, उमेलमान, दीवानमन, सनसिटी, सुयोग नगर, कौलसिटी, चुलाना रोड, सी कॉलोनी, पार्वती क्रॉस आदि स्थानों पर सदस्यता पंजीकरण अभियान चलाया। वसई की नवनिर्वाचित विधायक स्नेहा दुबे-पंडित ने सुबह से ही सभी बूथों पर उपस्थित होकर भाजपा कार्यकताओं के साथ सदस्यता पंजीकरण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया था। सदस्यता पंजीयन अभियान में विधायक स्नेहा दुबे-पंडित के स्वयं रास्ते में उतरने से नागरिकों में भी भाजपा का सदस्य बनने के लिए काफी उत्साह देखा गया। बड़ी संख्या में पैदल यात्री, रिक्शा चालक, फल विक्रेता, सब्जी विक्रेता, व्यापारी भाजपा के सदस्य बने।

आमदार स्नेहा दुबे के साथ जिल्हाध्यक्ष महेंद्र पाटील, किरण भोईर ,मंडल अध्यक्ष महेश सरवणकर, मंडल महामंत्री दीपक शर्मा , युवा मोर्चा अध्यक्ष कल्पेश पांडे, अर्जुन इंगोले, चेतन पागे, विजेंदर कुमार ,संतेश मरब आदी पदाधिकारी उपस्थित थे।

वेदांता टीएनएफडी रिपोर्टिंग में अग्रणी, खनन में स्थायित्व के लिए नए मानक स्थापित किए

मुंबई। प्राकृतिक संसाधनों, नवीकरणीय उर्जा, महत्वपूर्ण मिनरल्स, सामुदायिक कल्याण और कार्यबल विविधता में ग्लोबल लीडर वेदांता लिमिटेड ने अपनी पहली टीएनएफडी (टास्कफोर्स ऑन नेचर-रिलेटेड फाइनैंशियल डिस्क्लोजर) रिपोर्ट पेश की है।

टीएनएफडी रिपोर्ट कारोबारों के लिए मूल्यांकन एवं प्रबन्धन के नए मानक स्थापित करती है, प्रकृति पर उनकी निर्भरता और प्रभावों को स्पष्ट करती है। जैवविविधता के नुकसान और जलवायु परिवर्तन की समस्याओं को जल्द से जल्द हल करने के प्रयास में यह रिपोर्ट वेदांता के संचालन को विश्वस्तरीय स्थायित्व के लक्ष्यों के अनुरूप बनाने के लिए महत्वपूर्ण टूल की भूमिका निभाती है। यह पारदर्शिता और जवाबदेहिता के लिए वेदांता की प्रतिबद्धता की भी पुष्टि करती है जो इसकी पर्यावरणी, सामाजिक एवं प्रशासनिक रणनीति के मुख्य स्तंभ हैं। यह रिपोर्ट स्थायी विकास के अवसरों का लाभ उठाते हुए प्रकृति संबंधी जोखिमों को कम करने के कंपनी के प्रयासों पर भी रोशनी डालती है। रिपोर्ट का लॉन्च प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन में कॉर्पोरेट जवाबदेहिता को आकार देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

गौरीश गुरुजी ने फडणवीस को कामधेनु का सम्मान चिन्ह देकर अभिनंदन किया

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की जीत और देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाने के लिए वीडियो और जनसंपर्क के जरिए विशेष संदेश जारी करने वाले शाहपुर के श्री दंबाकाली मंदिर के प्रमुख महाराज गौरीश गुरुजी ने आज मंगलवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात करके उन्हें कामधेनु का सम्मान चिन्ह भेंट किया। देवेंद्र फडणवीस की विशेष पहल पर महाराष्ट्र सरकार ने सितंबर में देसी गाय को राज्यमाता का दर्जा देने के लिए अधिसूचना जारी की थी। ठाणे जिले में शाहपुर तालुका के रानविहिर में श्री दंबाकाली का भव्य मंदिर बनवा रहे गौरीश गुरुजी ने राज्य सरकार की इस पहल का स्वागत किया था और देवेंद्र फडणवीस को राज्य का सीएम बनाने के लिए भाजपा को वोट देने का आह्वान किया था। गौरीश गुरुजी ने महाराष्ट्र में देसी गाय को राज्यमाता का दर्जा देने के लिए फडणवीस का कामधेनु का सम्मान चिन्ह देकर अभिनंदन दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में देसी गाय को राज्यमाता का दर्जा देने से राज्य में गाय का संरक्षण हो रहा है और गोहत्या बंद हो गई है। इससे गोवंश को फलने-फूलने का अवसर मिलेगा।

ठाणे में श्रीमती गुजना इंग्लिश हाईस्कूल का 45वां वार्षिकोत्सव संपन्न

मुंबई (उत्तरशक्ति)। ठाणे शहर स्थित श्रीमती गुजना इंग्लिश हाईस्कूल का 45वां वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पिछले 45 वर्षों से यह विद्यालय मानपाड़ा के आजादनगर में स्थित है। यह समारोह हीरानंदानी मीडोज स्थित डॉ. काशीनाथ घाणेकर हॉल में आयोजित किया गया था। स्कूल संचालक आनंदकुमार पाण्डेय ने बताया कि सन- 1980 में स्थापित अंग्रेजी और हिंदी माध्यम मिलाकर उनके पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक व माध्यमिक विभाग में करीब 3,200 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इस वार्षिकोत्सव में स्कूल के होनहार और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। श्वसुधैव कुटुंबकम्ष् थीम के तहत आयोजित इस समारोह में पर्यावरण रक्षा, देश-प्रेम, बेटियों की शिक्षा- सुरक्षा व प्रगति के लिए प्रोत्साहन, बाल सुरक्षा, सभी को शिक्षा, सबको सम्मान जैसे विषय पर कार्यक्रम रखे गए थे। समारोह में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में त्रिमूर्ति स्कूल समूह के चेयरमैन बीडी राय, व्यवसायी व समाजसेवक सुरेंद्र पाण्डेय, डॉ दिनकर गौड़, अविनाश दिनेश पांडेय, समाजसेवक प्रदीप पूर्णेकर, अनिल शुक्ला, योगाचार्य विपिन पाण्डेय, सचिन चौबे,अनुराग चौबे,सुशील पाण्डेय,बाबुलनाथ दुबे,लोक कलाकार दीपक सुहाना (छोटका खेसारी), शिवसेना से आशीष दुबे, विक्रम सिंह, सिद्धार्थ पाण्डेय, दत्ता घाडगे, निलेश चव्हाण, सीए अखिलेश पाण्डेय, व्यवसायी रामचंद्र मिश्र, चंद्रशेखर शुक्ल, संजय मिश्र, संजय शुक्ल, प्रेमजी पटेल आदि अतिथियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन शिप्रा डे, पूनम दूबे और प्रिया अवस्थी ने किया। विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट गौरी राउत और संतोषी तिवारी ने प्रस्तुत किया।

आनंदकुमार पाण्डेय, अभय पाण्डेय और राजेश पाण्डेय, शिप्रा डे और संतोष पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अंत में अभिषेक पाण्डेय व तुषार पाण्डेय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस सेवादल की महाराष्ट्र एवं कोंकण कार्यकारणी की बैठक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की कार्यकारिणी बैठक गत दिनों गांधी भवन, कुलाबा, मुंबई में सपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस सेवा दल की महाराष्ट्र प्रभारी संध्या पुरोहित ने की। इस बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल के कार्याध्यक्ष राकेश शेट्टी, उत्तर महाराष्ट्र, पश्चिम महाराष्ट्र, और कोंकण क्षेत्र के जिला अध्यक्ष उपस्थित थे। इसके अलावा, कांग्रेस सेवा दल, महिला सेवा दल और यंग ब्रिगेड के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी भी बैठक में मौजूद थे। यंग ब्रिगेड का प्रतिनिधित्व श्री. सुदीप चाकोते ने किया।

बता दें कि बैठक में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस सेवा दल की आगामी योजनाओं, संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदमों पर विस्तृत चर्चा की गई।

समाज के हर वर्ग तक सेवा दल के कार्यों को पहुँचाने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक प्रयास करने का निर्णय लिया गया। कार्याध्यक्ष राकेश शेट्टी ने घोषणा की कि महाराष्ट्र के हर जिले में सेवा दल का 3-दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जाएगा, जिसमें 500 सेवा दल कार्यकताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा।

इन शिविरों का उद्देश्य नेतृत्व कौशल का विकास, प्रभावी संचार, और कांग्रेस पार्टी के दृष्टिकोण को जमीनी स्तर तक पहुँचाना होगा। संध्या पुरोहित ने सेवा दल के सभी सदस्यों को मार्गदर्शन दिया और संगठनात्मक कार्यों में अधिक उत्साह और समर्पण के साथ भाग लेने का आह्वान किया।

ढाबा चालक ने की ग्राहक की बुरी तरह से पिटाई

- बिल को लेकर हुई थी मामूली बहस
- ढाबा चालक को पुलिस बचाने में जुटी

उल्हासनगर (उत्तरशक्ति)। कटई से अंबरनाथ रोड़ स्थित तेजस ढाबा चालक द्वारा ग्राहक की पिटाई किए जाने की घटना सामने आई है। आरोप है कि ढाबा के मालिक तेजस वायले ने मामूली बात को लेकर हुई बहस के ग्राहक प्रकाश उपाध्याय की बड़ी बेरहमी से पिटाई करदी। उल्हासनगर की हिललाइन पुलिस इस मामले की जांच करने में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार कटाई अंबरनाथ रोड में तेजस ढाबा पर ग्राहक प्रकाश उपाध्याय अपने दोस्तों के साथ खाना खाने के लिए गया था। जहां बिल को लेकर प्रकाश और ढाबा मालिक के बीच बहस हुई। हालांकि गहमागहमी बढ़ने के बाद मौके पर पहुंची हिललाइन पुलिस ने मामले को शांत करा दिया। जख्मी उपाध्याय ढाबे से कुछ दूरी पर पैदल जा रहा था तभी ढाबा चालक तेजस ने बीच सड़क पर प्रकाश का रास्ता अड़ाकर उसे रोक लिया। फिर हॉकी और डंडे से बुरी तरह पिटाई कर दी। पिटाई करने के बाद आरोपी ने ग्राहक को नेवाली पुलिस चौकी के पास जख्मी हालत में छोड़ दिया। जख्मी का इलाज जन कल्याण हॉस्पिटल में चल रहा है।

सिद्धिविनायक शिक्षण प्रसारक मंडल द्वारा उपमुख्यमंत्री कार्यालय में उपसचिव नितीन दलवी की सहसचिव पद पर पदोन्नति होने पर भव्य सत्कार किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारी, मुंबई मनपा के शिक्षा अधिकारी, प्रशासकीय अधिकारी सहित अनेक शैक्षणिक संस्थाओं के ट्रस्टी उपस्थित थे।

लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ द्वारा पत्रकार दिवस कार्यक्रम आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी आचार्य बालशास्त्री जांभेकर की 193वीं जयंती के अवसर पर पत्रकारों का राष्ट्रीय संगठन लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ के पालघर जिला कमेटी की ओर से पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत चित्रालय स्थित न्यू सरोवर होटल के सभागार में बड़े हर्षोल्लास के साथ पत्रकार दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्वलन करके की गई तथा आचार्य स्व.बालशास्त्री जाम्भेकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय स्तर के लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ पालघर जिला कमेटी द्वारा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय एम. देशमुख के मार्गदर्शन में जे.पी.करोतिया की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोईसर विधानसभा क्षेत्र के विधायक विलास तरे उपस्थित थे तथा विशेष अतिथि के तौर पर शिवसेना उपजिला प्रमुख व बोईसर उपसरपंच नीलम संखे, वरिष्ठ पत्रकार नीरज राऊत, शहर प्रमुख अतुल देसाई, पंचायत समिति सदस्य अजय दिवे, संतोष मराठे, सामाजिक कार्यकर्ता जाकिर साठी, सुरेश जाधव, प्रवीण संखे, कोकियो केम्लिन लि. प्रबंधक(एच.आर.) अजीत राणे, टीम के पदाधिकारी महेंद्र सिंह, टीम मार्ग के चेयरमैन रवि भावसार, डिविजनल फायर ऑफिसर पी. बी.पाटील उपस्थित रहे। इस मौके पर मान्यवरों ने पत्रकारिता के महत्व के बारे में अपने-अपने विचार व्यक्त किये। संगठन के अध्यक्षीय भाषण में राष्ट्रीय स्तर पर लोकस्वातंत्र्य पत्रकार महासंघ के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कई संगठनों व संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। महासंघ के कोंकण विभाग प्रमुख पंकज राऊत, कोंकण विभाग संयोजक श्याम आटे, कोंकण विभाग संयोजक विठोबा मराठे, पालघर जिला उपाध्यक्ष रियाज मुल्ला, पालघर जिला सचिव संतोष घरत, पालघर जिला कोषाध्यक्ष विजय बोपर्डीकर, पालघर जिला प्रचार प्रमुख देवेन्द्र मेश्राम, सदस्य सुशांत संखे, स्वप्निल पिंपले, सुनील मराठे, प्रशांत करोतिया, सादिक शेख समेत अन्य सभी पदाधिकारियों के अथक प्रयास से कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय हिंदू सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष ललित माली, पदाधिकारी एस.एस.तिवारी, राजेश राठौड़, बविआ के राजेंद्र (राजू) जाधव, एड. ठाकुरजी प्रसाद, राजेंद्र करोतिया, संदीप करोतिया, मनीष प्रसाद, विश्वजीत सिंह, महाराष्ट्र एकता पत्रकार संघ के अध्यक्ष आरिफ खान आदि।

आईएनओ में चयनित हर चौथा स्टूडेंट एलन से, पहले चरण में सफल 3704 में से 939 स्टूडेंट्स एलन से

मुंबई/पटना। जेईई-नीट के साथ नेशनल व इंटरनेशनल लेवल पर होने वाले ओलंपियाड में एलन स्टूडेंट्स का प्रदर्शन लगातार बेहतर हो रहा है। हाल ही में घोषित विभिन्न इंटरनेशनल ओलंपियाड के प्रथम चरण के परिणामों में एलन के 939 स्टूडेंट्स का चयन हुआ, जबकि कुल चयनित स्टूडेंट्स की संख्या 3704 थी। ऐसे में परिणामों में चयनित हर चौथा स्टूडेंट एलन से है। सत्र 2025 के लिए इंटरनेशनल ओलंपियाड के प्रथम चरण की परीक्षाओं के बाद यह परिणाम जारी किए गए। इंडियन नेशनल फिजिक्स ओलंपियाड (आईएनपीएचओ) के लिए एलन के 135, इंडियन नेशनल केमिस्ट्री ओलंपियाड (आईएनसीएचओ) के लिए 143, इंडियन नेशनल बायोलॉजी ओलंपियाड (आईएनबीओ) के लिए 68, इंडियन नेशनल एस्ट्रोनॉमी ओलंपियाड (आईएनएओ) के लिए 124, इंडियन नेशनल जूनियर साइंस ओलंपियाड (आईएनजेएसओ) के लिए 152, इंडियन नेशनल मैथेमेटिकल ओलंपियाड (आईएनएमओ) के लिए 291 एवं इंडियन नेशनल ओलंपियाड इन इन्फोर्मेटिक्स (आईएनओआई) के लिए 26 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्ष पर कार्यकताओं का फूटा गुस्सा

अध्यक्षी चुनाव को रद्द कर पुनः चुनाव की मांग को लेकर कार्यकताओं ने किया प्रदर्शन

कहा- चुनाव रद्द नहीं हुआ तो कार्यकर्त्ता व पदाधिकारी पार्टी से देंगे सामूहिक इस्तीफा

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भाजपा के संगठनात्मक चुनाव को लेकर जगह–जगह विरोध जारी है। सोमवार को केराकत मंडल अध्यक्ष के चुनाव में

धांधली का आरोप लगाकर भारी संख्या में कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने बताया कि नियमतः दो बार के सक्रिय सदस्य तथा 35 से 45 वर्ष उम्र के कार्यकर्त्ता को ही मंडल अध्यक्ष बनाने का प्रविधान बताया गया है जबकि केराकत मंडल अध्यक्ष के चुनाव में इसका अनुपालन नहीं किया गया। कार्यकताओं का आरोप है कि नवनिर्वाचित मंडल अध्यक्ष मिथिलेश गिरी का नाम 2019 की सक्रियता सूची में नहीं था। इसके आलावा उनकी उम्र भी केवल 27 वर्ष है। इसके बावजूद फर्जी आधार कार्ड के जरिये उम्र बढ़ाकर फार्म जमा किया। इसके आलावा उसने उम्र छिपाने के लिए हाईस्कूल के मार्कशीट को भी जमा नहीं किया। कार्यकताओं ने कहा कि मिथिलेश गिरी का नियुक्ति पूरी तरह गलत है। उन्होंने मिथिलेश के अध्यक्षी को रद्द कर पुनः चुनाव की मांग की। कर्यकताओं ने कहा कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो केराकत मंडल के अनेक कार्यकर्त्ता और पदाधिकारी पार्टी से सामूहिक इस्तीफा दे देंगे। प्रदर्शन करने वालों में केराकत मंडल के पूर्व मण्डल अध्यक्ष संजय सिंह, महामंत्री विवेक सिंह, राजवंत सिंह, विनय सिंह राहुल आलोक सिंह, दिनेश मधुकर, प्रदीप सिंह, दीना गिरि, अजित सिंह, दिनेश सिंह, जीत बहादुर सिंह, सूरज सिंह, जेके सिंह, शिवपूजन सिंह बूथ अध्यक्ष के साथ तमाम लोग उपस्थित रहे।

रामजी जायसवाल बनाये गये राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडिया प्रभारी एवं वरिष्ठ उपाध्यक्ष

अखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा ने दी जिम्मेदारी

◆ जौनपुर, उत्तर प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों के लोगों ने दी बधाई

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। समाज के लिये सदैव आवाज उठाने वाले रामज जायसवाल कोअखिल भारतीय जायसवाल सर्ववर्गीय महासभा ने राष्ट्रीय प्रवक्ता, मीडियाप्रभारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण दायित्व की जिम्मेदारी दे दिया।यह मनोनयन महासभा के मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल, वरिष्ठ संरक्षक पन्ना लाल जायसवाल, राष्ट्रीय संरक्षक किशोरजायसवाल, राष्ट्रीय संरक्षक रविन्द्र जायसवाल, मुख्य राष्ट्रीय प्रभारीपूरनचन्द झरवाल के अनुमोदन पर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लालजायसवाल गुजरात ने किया है। इसकी जानकारी होने पर जौनपुर सहितउत्तर प्रदेश के अलावा देश के तमाम प्रदेशों के स्वजातीय बंधुओं ने श्रीजायसवाल को बधाई दिया। साथ ही महासभा हाईकमान के इस निर्णयकी सराहना भी किया। बता दें कि श्री जायसवाल उत्तर प्रदेश के जौनपुरनगर के मूल निवासी हैं जो राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र तेजस टूडे केसमूह सम्पादक हैं और पिछले 26 वर्षों से पत्रकारिता क्षेत्र में रहकर समाजके दबे–कुचले लोगों की आवाज को बुलन्द कर रहे हैं। बता दें कि श्रीजायसवाल सम्पादक मण्डल उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष एवं गोमती जर्नलिस्टएसोसिएशन के संस्थापक हैं।

नक्खीघाट अंडरपास से आसान होगी अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र सारनाथ की राह, 4 करोड़ से हो रहा निर्माण

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद

के नक्खीघाट अंडरपास से अंतरराष्ट्रीय पर्यटन केंद्र सारनाथ तक पहुंचना आसान हो जाएगा। यहां जाम लगता है। पर्यटक और शहरवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। रेलवे ने चार करोड़ से अंडरपास बनाने का फैसला किया और निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया। अंडरपास का निर्माण शुरू कज्जाकपुरा आरओबी के पास अंडरपास का निर्माण शुरू हो गया। यहां रेलवे क्रॉसिंग है। ट्रेनों के आवागमन के दौरान यातायात व्यवस्था प्रभावित रहती है। नक्खीघाट क्षेत्र की सड़कें संकरी हैं। इसलिए दोनों तरफ से भीषण जाम लगता है। कई बार इस सड़क से सारनाथ जाना मुश्किल हो जाता है। अंडरपास बनने से यह समस्या खत्म हो जाएगी। सारनाथ के साथ ही कज्जाकपुरा जाना आसान हो जाएगा। पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के पीआरओ अशोक कुमार ने बताया कि अंडरपास निर्माण कार्य चल रहा है। किसी भी अंडरपास के निर्माण में छह महीने लगेंगे। ककरमत्ता रेलवे क्रॉसिंग पर भी जल्द बनेगा अंडरपास ककरमत्ता रेलवे क्रॉसिंग के पास भी अंडरपास बनाया जाएगा। इसकी डिजाइन आदि तैयार कर ली गई है। बजट स्वीकृत हो चुका है।

एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दौरान महिलाओं ने जाना अपना अधिकार

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया क्षेत्र के घाटमपुर में मंगलवार को विश्व ज्योति

जनसंचार समिति द्वारा महिलाओं के अधिकार को लेकर एक दिवसीय प्रशिक्षण का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में प्रमोद पटेल और शर्मिला उपस्थित रहीं। इस आयोजन का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सशक्त बनाना था।प्रमोद पटेल ने महिलाओं के अधिकारों पर गहन चर्चा की। उन्होंने महिलाओं के समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम करने का अधिकार, रक्षा और सुरक्षा का अधिकार, और संपत्ति का अधिकार जैसे विषयों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इन अधिकारों की संवैधानिक और सामाजिक महत्ता को समझाया और महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। शर्मिला जी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और सहायता सेवाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने महिला हेल्पलाइन, सखी वन स्टॉप सेंटर, मिशन शक्ति, और महिला आयोग जैसी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन सेवाओं का उपयोग करके महिलाएं अपने अधिकारों की रक्षा कर सकती हैं और मुश्किल परिस्थितियों में मदद प्राप्त कर सकती हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर अपनी जिज्ञासाओं को व्यक्त किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने महिलाओं को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए जागरूक और संगठित रहने की प्रेरणा दी।यह कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की और भविष्य में इस तरह के और आयोजन करने की आवश्यकता पर जोर दिया।इस प्रशिक्षण में मुख्य रूप से रागनी, उर्मिला, पूजा, प्रिया, बबिता, गीता मनभावती, धन्नी, सुनीता समेत दर्जनों महिलाएं भाग ली।

"पर ड्राप मोर क्राप" माईक्रोइरीगेशन योजनान्तर्गत ड्रिंप/मिनी स्प्रिंकलर व पोर्टेबल स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति से कम पानी में बढ़ रहा उत्पादन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी डॉ0 सीमा सिंह राणा द्वारा अवगत कराया गया कि कृषक विजय बहादुर मौर्य ग्राम धमार्पुर विकास खंड धमार्पुर मिनी स्प्रिंकलर 01 हेक्टेयर क्षेत्रफल में उद्यान विभाग से अनुदान पर लगाया था।जिसमें मटर, लहसुन, पालक, सोया, मेंथी की खेती करता है। अभी मौजूदा समय में उसके पास मटर, लहसुन, सोया, पालक, मेंथी आदि सब्जी लगा है।

कृषक विजय बहादुर मौर्य ने बताया कि मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति की वजह से खेती बहुत आसान हो गई है। खेती की लागत से लगभग 20 से 30 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई है। मिनी स्प्रिंकलर की सिंचाई करने से कीटाणु धुल जाते है।कम से कम दवा/खाद के छिड़काव की आवश्यकता होती है, इसी प्रकार प्रगतिशील किसान राजदेव यादव,ग्राम केशवपुर वि0ख0 सिरकोनी ने 01 हे0 में ड्रिप सिचाई पद्धति का प्रयोग करके खीरा की खेती में अच्छा मुनाफा कमा रहें है। कृषक द्वारा बताया गया है कि ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति से पानी की बचत होती है।

गुणवक्तायुक्त उत्पादन में वृद्धि प्राप्त होती है। जिला उद्यान अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया है कि इस वर्ष ड्रीप सिंचाई पद्धति का लक्ष्य 570 हेक्टेयर, मिनी स्प्रिंकलर 82 हे0, पोर्टेबल स्प्रिंकलर 1049 हे0 एवं लार्ज वाल्यूम (रेंनगन) 220 हेक्टेयर का लक्ष्य प्राप्त है। जिसके लिए एक हेक्टेयर क्षेत्रफल पर ड्रिप/मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई पद्धति स्थापित करने पर 90 प्रतिशत का अनुदान लघु सीमांत/सीमांत कृषकों को तथा 80 प्रतिशत का अनुदान सामान्य कृषकों को दिया जाता है। इस प्रकार पोर्टेबल स्प्रिंकलर लार्ज वाल्यूम (रेन गन) का प्रति हेक्टेयर स्थापित करने पर 75 प्रतिशत लघु सीमांत/सीमांत तथा 65 प्रतिशत सामान्य कृषकों को अनुदान दिया जा रहा है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कृषकों के प्रक्षेत्र पर सिंचाई व्यवस्था हेतु नलकूप लगा होना चाहिए। आवश्यक प्रपत्र के लिए कृषक की स्वयं की जमीन की खतौनी, आधार कार्ड, बैंक पासबुक की फोटो कॉपी एवं एक नवीनतम फोटो पासपोर्ट साइज के साथ किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी जौनपुर में उपस्थित होकर अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

संस्कार भारती द्वारा बाबा योगेंद्र जी की सौवीं जन्म जयंती पर रक्तदान शिविर का आयोजन

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। संस्कार भारती जौनपुर के तत्वावधान में श्रद्धेय बाबा योगेंद्र जी की जन्मशती के अवसर पर नगर के एक हॉस्पिटल में

रक्तदान शिविर का आयोजन कार्यक्रम संयोजक मयंक नारायन और आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी गोरखनाथ पटेल और प्राचार्य बीआरपी इंटर कॉलेज प्रमोद श्रीवास्तव जी ने फीता काटकर संयुक्त रूप से किया। उक्त रक्तदान कार्यक्रम में संस्था के मयंक नारायन ने 37 वी, ऋषि श्रीवास्तव 20 वी, और राजेश किशोर ने 25 वी बार रक्तदान किया। इस अवसर पर अमित गुप्ता, शिवा सिंह, निर्मल श्रीवास्तव, विष्णु गौड़, ज्योति श्रीवास्तव ,मनीष अस्थाना, मनीष सोमवंशी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। हॉस्पिटल की डायरेक्टर डॉ स्मिता श्रीवास्तव, संस्कार भारती की अध्यक्षा डॉ. ज्योति दास, मंत्री अमित गुप्ता ने सभी सहयोगियों और रक्तदाताओं का धन्यवाद व्यक्त किया। संस्कार भारती जौनपुर ने इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज में सेवा और समर्पण की भावना को प्रोत्साहित किया।

सहायक कार्यकारी विद्युत निलंबित

अनियमितता और अधिकारी से मारपीट मामले में विभाग ने लिया संज्ञान

शाहगंज,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मऊ से ट्रांसफर होकर आए शाहगंज आये विद्युत विभाग के सहायक कार्यकारी जय प्रकाश यादव का अंततः निलंबन हो गया।हालांकि अभी भी वह शाहगंज विद्युत उप खण्ड कार्यालय पर जमे हुए हैं। बताते चले की कुछ दिन पूर्व किसी बात को लेकर उस दौरान हंगामा हो गया जब कार्यालय पर एक मुश्त समाधान योजना के तहत कार्यालय में कैम्प लगा हुआ था।उसी दौरान सहायक कार्यकारी

जय प्रकाश यादव का विभाग के एक्स ई एन से विवाद हो गया था।जिसका वीडियो शोसल मीडिया पर बहुत तेजी से वायरल हुआ था। निलंबन की कार्यवाई कार्यालय अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मण्डल द्वितीय पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम जौनपुर द्वारा की गई। निलंबन में कहा गया की सहायक वर्तमान में विद्युत वितरण खण्ड-शाहगंज, जौनपुर,प्रथम दृष्टया दोषी पाये जाते हैं। मैं पूर्णत सन्तुष्ट हूँ कि श्री जय प्रकाश यादव,कार्यकारी सहायक द्वारा अपने विभागीय कर्तव्यों एवं दायित्यों का पालन नहीं किया गया जिसके कारण इनके विरुद्ध कठोर कार्यवाही किये जाने हेतु प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अत में रमेश पाल सिंह अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल-द्वितीय, जौनपुर सक्षम अधिकारी होने के नाते विद्युत वितरण खण्ड-शाहगंज, जौनपुर में वर्तमान में कार्यकारी सहायक के पद पर तैनात श्री जयप्रकाश यादव कार्यकारी सहायक को तत्काल प्रभाव से निलम्बित करता हूँ। निलम्बन अवधि में श्री जयप्रकाश यादव, कार्यकारी सहायक कार्यालय विद्युत वितरण खण्ड-मछलीशहर, जौनपुर में सम्बद्ध रहेग तथा निलम्बन अवधि में उन्हें विभागीय नियमानुसार अनुमन्य जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा।

उद्देश्य बने अभाविप के राज्य विश्वविद्यालय सह संयोजक

मछलीशहर,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद सीतापुर में सम्पन्न हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 64 वें प्रांत अधिवेशन संपन्न हुआ। जिसमें जौनपुर जनपद के कुरनी समाधगंज निवासी लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र उद्देश्य सिंह अम्बर को अवध प्रान्त का प्रान्त राज्य विश्वविद्यालय कार्य सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया। उद्देश्य सिंह 2017 से विद्यार्थी परिषद में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस दायित्व के मिलने से पूर्व वह अवध प्रान्त के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य रह चुके हैं। उनके इस मनोनयन से विद्यार्थी परिषद के कार्यों में और तेजी आएगी और उन्होंने कहा कि वे संगठन व छात्रों के हित के लिए पूर्ण रूप से समर्पित रहेंगे।मनोनयन की सूचना मिलते तहसील क्षेत्र सरोज सिंह, लाल प्रताप सिंह, कुंवर भारत सिंह, राजन सिंह, जयानंद चौबे, रामचंद्र बिंद, अभिषेक सिंह, संतोष जायसवाल आदि ने खुशी जाहिर की और बधाई दी है।

कोतवाली पुलिस ने चाइनीज मांझा के साथ दो को किया गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस ने 02 अभियुक्तो को चाइनीज मंझा के साथ किया गिरफ्तार- पुलिस कप्तान जौनपुर, डा0 कौस्तुभ द्वारा चाइनीज मंझा के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक नगर जौनपुर व क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर के कुशल पर्यवेक्षण एवं दिशा ञ्च निर्देशन में तथा प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली जौनपुर के नेतृत्व में आज दिनांक 07.01.2025 को चाइनीज मंझा के साथ दो

अभियुक्त 1- अहमद सईद उर्फ सादिक पुत्र मो0 तरिक नि0 मखदुमशाह अढन थाना कोतवाली जौनपुर व 2- अंकित मौर्या पुत्र गनेश मौर्या नि0 सैयद अलीपुर थाना कोतवाली जौनपुर को 7 अंटा चाइनीज मंझा को साथ पकडा गया । मंझा बरामदगी के आधार पर मु0 अ0 स0 07/2025 धारा 223(2)/293/ 125 इठर 5/15 पावरण संरक्षण अधि0 बनाम-अहमद सईद उर्फ सादिक पुत्र मो0 तरिक नि0 मखदुमशाह अढन थाना कोतवाली जौनपुर व 2- अंकित मौर्या पुत्र गनेश मौर्या नि0 सैयद अलीपुर थाना कोतवाली जौनपुर के पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर को हराकर आजमगढ़ ने मारी बाजी, बनी विजेता

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज थाना क्षेत्र स्थित भरौली गांव में आयोजित तीसरे आल इंडिया ओपन क्रिकेट टूनार्मेंट के छठे दिन फाइनल मुकाबला हुआ। इस मुकाबले में शिव इलेवन जौनपुर और मारी इलेवन आजमगढ़ की टीमें आमने-सामने थीं। टॉस जीतकर शिव इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 6 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 87 रन बनाए। इसके जवाब में मारी इलेवन आजमगढ़ ने 5.1 ओवर में ही 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया और 6 विकेट से जीत दर्ज की। इस शानदार प्रदर्शन के साथ मारी इलेवन ने खिताब पर कब्जा किया।फाइनल मैच का उद्घाटन संयुक्त रूप से अब्दुल्ला शेख और जीशान शेख ने किया। सुरक्षा व्यवस्था के तहत शाहगंज पुलिस मौके पर मौजूद रही।टूनार्मेंट में राजस्थान रॉयल्स के पूर्व क्रिकेटर

कामरान खान समेत देशभर से कई स्टार क्रिकेटरों ने हिस्सा लिया। पुरस्कार वितरणः विजेता टीम मारी इलेवन को 1 लाख 50 हजार रुपये का प्रथम पुरस्कार दिया गया, जबकि शिव इलेवन जौनपुर को 1 लाख रुपये का द्वितीय पुरस्कार मिला। इसके अतिरिक्त, मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार कामरान खान को दिया गया।

बेस्ट दर्शक अवार्ड शाहिद जौनपुरी को रेंजर सायकिल के रूप में मिला, और मैन ऑफ द मैच का खिताब भी कामरान खान (क्ढछ) को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर इस्तियाक खान (प्रधान), फरहान शेख (संयोजक), सहीम अख्तर, दबीरुल हसन, दिलशान पठान, ईसलाहुद्दीन और साकिब मौजूद रहे।

सावित्रीबाई फुले जयंती समारोह सकुशल सम्पन्न, स्थापित हुआ अशोक लाट

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावित्री बाई फुले जन्मोत्सव सप्ताह मनाया गया जिसकी शुरूआत 3 जनवरी को तो अंत 7 जनवरी को हुआ। इसी क्रम में पांच जनवरी को ग्राम डेरा युसुफ चम्बल तारा जौनपुर में सावित्री बाई फुले की जयंती समारोह बड़े ही धूम धाम से मनाई गई ।तत्पश्चात उसी जगह समारोह स्थल के पास ही सम्राट अशोक महान की लाट स्थापित हुई।मनोरमा मौर्य नगर पालिका अध्यक्ष जौनपुर और उनके प्रतिनिधि डॉक्टर रामसूरत मौर्या विशेष अतिथि के रूप में तो वही कुमार सिद्धार्थ कुशवाहा प्रतिनिधि जिला पंचायत अध्यक्ष वाराणसी एवं राकेश मौर्य जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी भगवान दास कुशवाहा समाजसेवी मांडा प्रयागराज, कुंवर प्रमोद कुमार मौर्य समाजसेवी भदोही विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्य वक्ता थे संजय

कुमार मौर्या राष्ट्रीय प्रवक्ता पी ए एम संचालन किया दूधनाथ मौर्य ने प्रदर्शनी अशोक चैरिटेबल ट्रस्ट ने देवानंद मौर्य सभासद, राजेश कुमार मौर्य अध्यापक, शिव प्रकाश मौर्य मुन्ना, राधिका मौर्य, डॉ.लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, महेंद्र मौर्य, राम जियावन मौर्य आदि के साथ रणजीत कुमार मौर्य संस्थापक सदस्य प्रियदर्शी अशोक चैरिटेबल ट्रस्ट जौनपुर मौजूद रहे। इस मौके पर धीरज सिंहा सुर साधना ग्रुप के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। समाज सेविका मुस्कान मौर्य ने बताया कि रामचंद्र मौर्य के पावन स्मृति में सम्राट अशोक लाट की स्थापना की गई है।

पति-पत्नी के गायब होने के मामले में एक अभियुक्त गिरफ्तार

खुटहन क्षे के मलूकपुर गांव का मामला

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जनपद जौनपुर डा0 कौस्तुभ के कुशल निर्देशन में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी शाहगंज के पर्यवेक्षण में व थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह के कुशल नेतृत्व में उ0नि0 महेन्द्र यादव मय हमराह कां0 सजय जायसवाल, कां0 वीरेन्द्र कुमार यादव द्वारा मु0अ0स0-008/2025 धारा 140(1) बी0एन0एस0 थाना खुटहन जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 01 वाछिंत अभियुक्त कमलेश सिंह पुत्र स्व0 मनरेज सिंह निवासी अकबरपुर थाना खुटहन जनपद

जौनपुर उम्र करीब 55 वर्ष को आज दिनांक 07.01.2025 को समय 08.10 बजे फिरोजपुर के आगे पटैला रोड़ के पास थाना खुटहन जनपद जौनपुर से नियमानुसार गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त उपरोक्त के विरूद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही करते हुए सम्बन्धित न्यायालय भेजा जा रहा है। घटना का विवरण,दिनांक-06.01.2025 वादिनी मुकदमा सरिता कुमारी की तहरीर प्राप्त हुई कि दिनांक-05.1.2025 की सुबह बटाई का खेत सीचने उनके माता-पिता गांव के पश्चिम तरफ गए थे। खोजने के पश्चात भी माता-पिता नहीं मिल रहे हैं। इसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 08/2025 धारा 140(1) बीएनएस पंजीकृत होकर विवेचना उ0नि0 महेन्द्र यादव की जा रही थी कि दौराने विवेचना उस खेत में जहाँ अपहृत दमपत्य काम कर रहे थे वहा से उनका चप्पल, फावडा, कम्बल, साल व चप्पल व मोजा बरामद हुआ। उसी दौरान वादिनी सरिता के बयान व तहरीर के आधार पर गिरफ्तार शुदा अभियुक्त कमलेश सिंह पुत्र स्व0 मनरेज सिंह आदि का नाम प्रकाश में लाते हुए आज दिनांक 07.01.2025 को समय 08.10 बजे फिरोजपुर के आगे से पटैला सड़क से घटना में प्रयुक्त बोलेरो के साथ अभियुक्त कमलेश सिंह को अन्तर्गत धारा 140(1) बीएनएस गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त कमलेश सिंह उपरोक्त द्वारा अपने धारा 180 बीएनएस के बयान में यह स्वीकार किया गया कि अभियुक्त द्वारा अपनी फसल को जानवरो से बचाने के लिए खेत में स्टील का तार लगाकर खेत को घेरा गया था। छूट्टा मवेशियो से फसल को बचाने के लिए अपनी ट्यूबेल के बिजली से तार को कनेक्ट कर दिया गया था ताकि जानवरो को बिजली का झटका लग सके और वे भाग जाए इत्तफाक से इस करेन्ट की चपेट में रामचरित्र व उनकी पत्नी किस्मत्ती देवी आ गयी और दिनांक 05.01.2025 को जब प्रातः अभियुक्त कमलेश सिंह अपने खेत मे पहुचा तो बिजली के करेन्ट से रामचरित्र व किस्मत्ती देवी को मरा हुआ पाया। इस घटना को देखकर वह डर गया और अपने घर से अपनी बोलेरो जीप लाकर उससे अपने भाई अखिलेश के साथ दोनो के शव को बासूपुर नहर में डाल दिया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-1. कमलेश सिंह पुत्र स्व0 मनरेज सिंह निवासी अकबरपुर थाना खुटहन जनपद जौनपुर उम्र करीब 55 वर्ष अभियुक्त का आपराधिक इतिहास- 1- मु0अ0सं0 008/2025 धारा 140(1) बी0एन0एस0 थाना खुटहन जनपद जौनपुर।

नेक काम में लोग बढ़-चढ़कर लें हिसा: जीशान

सामाजिक संस्था द्वारा जरूरतमन्द लोगों को दिए गए कंबल

डॉ.इम्तियाज अहमद सिद्दीकी की रिपोर्ट

फूलपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जेड एफ एम सामाजिक संगठन के द्वारा एक भव्य कार्यक्रम में 250 से अधिक लोगों में कंबल वितरण किया गया। आयोजित कंबल वितरण समारोह सामाजिक संगठन जेड एफ एम के स्थापना दिवस के अवसर पर किया गया। जिसमें ठंड में असहाय व जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। संस्था के संस्थापक जीशान अहमद खान के दिशा निर्देशन में आयोजित कंबल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फूलपुर कोतवाली प्रभारी सच्चिदानंद, अबू जैश अंसारी क्षेत्रीय वरिष्ठ नेता ने कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम मंच से फीता काटकर किया। जरूरतमंदों को कंबल देते हुए उन्होंने इस मौके पर कहा कि सामाजिक व्यवस्था में हम सभी की जिम्मेदारी होती है। कि हम आखिरी पायदान तक के जरूरतमंदों का अपने समर्थ अनुसार सहयोग करें। विशिष्ट अतिथि महिला एस आई प्रियंका तिवारी ने कहा कि निस्वार्थ रूप से सामाजिक सेवा किया जाना यह बहुत बड़ी सोच होती है। जिसके लिए संस्था के संस्थापक व कार्यकताओं को बहुत-बहुत धन्यवाद,साथ ही उन्होंने महिलाओं को महिला अधिकार के प्रति जागरुक करते हुए। पुलिस प्रशासन द्वारा उपलब्ध महिला हित अधिकार के लिए सभी व्यवस्थाओं कानून से अवगत कराया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि रहे। पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष माहुल बदरे आलम ने भी अपना वक्तव्य दिया। वही जौनपुर से पधारे पत्रकार रियाजुल हक ने महिला की शक्ति पर बात करते हुए कहा कि महिलाएं भारत में हजारों साल से सशक्त है। रजिया सुल्तान से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी इसका जीता जगता उदाहरण है। जबकि अमेरिका में महिला राष्ट्रपति आज तक नहीं बन पाई, वही उत्तरशक्ति के सह-सम्पादक डॉ.इम्तियाज अहमद ने संस्था द्वारा किए गए कार्य को और आगे पूरे पूर्वांचल ही नहीं बल्कि प्रदेश में बढ़ाने पर जोर दिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.मोहम्मद अजीम, सुफियान अहमद, फुरकान खान सहित आदि अतिथियों ने कहा कि संस्था द्वारा जो सामाजिक कार्य क्षेत्र में किया जा रहा है वो अतुलनीय है। इस संस्था द्वारा वह हर संभव कार्य किया जा रहा जिससे असहाय व जरूरतमंदों को उसका लाभ पहुंचे, वृद्ध असहाय व जरूरतमंदों का कंबल पा कर चेहरा खिल उठा। संस्था के प्रवक्ता व कार्यक्रम के व्यवस्थापक रफीक फूलपुरी ने सभी कार्यक्रम के सहभागीय जनों, अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन नसीम साज ने किया, शहाबुद्दीन चौधरी, इम्तियाज, मो.फारूक, लईक अहमद, डा.रवि यादव,अदनान अल्ताफ, मोहम्मद ताल्हा, तारिक प्रधान, आरिफ आजम, राहुल कुमार आंचल, शादमान, मदनलाल, महेंद्र प्रधान, सभासद सुरेश सोनकर बॉडी, आबिद नवी जान, अलोक, रमेश भारती फहीम आजमी, साकिब सिद्दीकी, सचिन कुमार, मोहम्मद अरमान, शिवम बरनवाल, अयान मिर्जा, मोहम्मद साकिब, संजू, रेखा, प्रीति, अनीता, शिवांगी, हाफिजुर रहमान, मुन्ना भाई, मनोज, चंदन गुप्ता सहित क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जफराबाद पुलिस ने सोशल मीडिया में देशी तमंचा के साथ रील बनाकर वायरल करने वाले अभियुक्त को किया गिरफ्तार

बन्दी गृह (पुरुष)

जफराबाद,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस ने सोशल मीडिया में देशी तमंचा के साथ रिल बनाकर वायरल करने वाले अभियुक्त को 01 देशी तमंचा मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ किया गिरफ्तार। पुलिस अधीक्षक जौनपुर, डा0 कौस्तुभ के निर्देशन मे अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे। विशेष अभियान आपरेशन सर्च के अनुपालन मे अपर पुलिस अधीक्षक (नगर), अरविन्द कुमार के दिशा निर्देशन व सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर, आयुष श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में तथा जय प्रकाश यादव प्रभारी निरीक्षक जफराबाद के नेतृत्व में आपरेशन सर्च व आपरेशन टू ब्वीलर के दौरान उ0नि0 मनोज कुमार राय मय हमराही कर्मचारीगण हे0का0 दुर्गेश पाण्डेय व हे0का0 जितेन्द्र यादव के नावघाट तिराहे पर चेकिंग के दौरान सोशल मिडिया में वायरल वीडियो में एक युवक को अवैध तमन्चा हाथ मे लिये हुए दिखाई दिया। उक्त सोशल मिडिया पर वायरल वीडियो के सम्बन्ध मे कबूलपुर बाजार से अभियुक्त दीपक पाल पुत्र दिनेश पाल नि0 ग्राम हुसेपुर थाना जलालपुर जनपद जौनपुर उम्र 22 वर्ष को 01 देशी तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त विवरणः 1. दीपक पाल पुत्र दिनेश पाल नि0 ग्राम हुसेपुर थाना जलालपुर जनपद जौनपुर उम्र 22 वर्ष आपराधिक इतिहास-1. मु0अ0स0 03/2025 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट थाना जफराबाद जनपद जौनपुर।

जनपद में बारहवीं तक के विद्यालय 14 जनवरी तक बंद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा० दिनेश चंद्र के आदेश पर जनपद में पड़ रही अत्यधिक ठंड और शीतलहर के दृष्टिगत नौवीं से बारहवीं तक के समस्त बोर्डों के विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए 7 जनवरी से 14 जनवरी तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।इस दौरान पूर्व निर्धारित प्रायोगिक या अन्य परीक्षाएं अपने निर्धारित शेड्यूल के अनुसार सम्पन्न कराई जायेंगी तथा विद्यालयों में शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को उपस्थित होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा।गौरतलब है कि भीषण ठंड और गलन के चलते समस्त बोर्डों के आठवीं कक्षा तक के विद्यालयों में,जनपद में 14 जनवरी तक के लिए पहले से ही शीतकालीन अवकाश चल रहा है।

बताते चलें कि पिछले सप्ताह से ही समूचा जनपद भीषण शीतलहर की चपेट में है। मंगलवार की सुबह से चल रही सर्द हवाओं से गलन और बढ़ गई है जिससे सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है तथा व्यवसायिक गतिविधियां तथा आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। लोग अपने घरों में ब्लोवर और अलाव से चिपके हुए हैं। बहुत जरूरी होने पर ही घरों के बाहर जा रहे हैं। किसानों को गेहूं की सिंचाई करने तथा पालतू पशुओं को ठंड से बचाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

असलहे के बल पर बाइक सवार बदमाशों सेल्समैन से लूटे 55 हजार

सुरेरी,जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।जनपद के सुरेरी थाना क्षेत्र के सुरेरी गांव में कोठिया बारी के पास पल्सर एवं अपाची बाईक सवार चार अज्ञात बदमाशों ने मंगलवार की दोपहर एक फाइनेंस कंपनी के सेल्समैन को असलहे के बट से प्रहार कर 55 हजार व मोबाइल लूट लिया और फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सेल्समैन को अपने साथ लेकर बदमाशों की खोजबीन में जुटी हुई है। बताया गया है कि सुरेरी गांव में कोठिया बारी के पास बाइक सवार सोनाटा कंपनी फाइनेंस के सेल्समैन सुदेश कुमार मौर्य पुत्र संतोष कुमार मौर्य निवासी ग्राम बबुरा थाना लालगंज जनपद मिजार्पुर से पल्सर एवं अपाची बाइक सवार चार अज्ञात बदमाशों ने सेल्समैन को सूबेदार के मशीन के सामने रोक लिया और उससे वसूली के पैसे मांगने लगे ।नहीं देने पर तमंचे की बट से प्रहार करते हुए घायल कर दिया और उसके पास बैग में रखा 55हजार रुपए एवं कीमती एंड्राइड मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। सेल्समैन ने तुरंत 112 पुलिस को घटना की सूचना दिया सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने सुरेरी थाना को घटना के विषय में जानकारी दिया जिसके बाद सुरेरी पुलिस भी घटनास्थल पर तुरंत पहुंचकर पीड़ित सेल्समैन को अपने साथ ले लिया आरोप तो यहां तक लगाया जा रहा है कि पुलिस ने सेल्समैन को किसी से भी जानकारी नहीं देने की बात कही इसके बावजूद सेल्समैन ने अपने फाइनेंस मैनेजर से बात कर इसकी जानकारी दिया इसके बाद करीब 2 बजे फाइनेंस एरिया मैनेजर राकेश मौर्य ने लूट होने की जानकारी दिया। पुलिस सेल्समैन के साथ बदमाशों की खोजबीन में जुटी हुई है। वहीं सुरेरी पुलिस लूट की घटना होने से इनकार कर रही है।

जिलाधिकारी ने कार्यालय खंड विकास अधिकारी बक्शा का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा आकस्मिक रात्रिकालीन भ्रमण के दौरान कार्यालय खंड विकास अधिकारी बक्शा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने फैमिली आईडी, फॉर्मर रजिस्ट्री, जीरो पॉवर्टी सर्वे, पीएम सूर्य घर योजना की प्रगति की समीक्षा की और उन्होंने खंड विकास अधिकारी पीयूष त्रिपाठी को निर्देशित किया कि यद्यपि कई चुनौतियां हैं तथा कई कार्य अभी किए जाने हैं इसलिए पूरा प्रयास करें कि जिन योजनाओं में प्रगति कम है उनमें और अधिक परिश्रम करते हुए प्रगति लाते हुए लक्ष्य को प्राप्त करें ।जिलाधिकारी के द्वारा प्रसन्नता जाहिर किया गया कि खंड विकास अधिकारी बक्शा शासन के निदेर्शानुसार मुख्यालय पर ही निवास करते हुए पाए गए और उनके द्वारा फार्मर रजिस्ट्री में अच्छा कार्य किया गया है। इस अवसर पर कार्यालय स्टाफ स्टाफ सहित अन्य उपस्थित रहे।

जीवन में प्रकाश प्राप्त करना हो तो दीक्षा संस्कार आवश्यक है: पूज्यश्री प्रेमभूषण जी महाराज

मुम्बई (उत्तरशक्ति)। सनातन संस्कृति में दीक्षा संस्कार को आवश्यक बताया गया है। आजकल लोग स्वयं को ही गुरु मान बैठे हैं तो दीक्षा क्यों लेंगे? वास्तव में गुरु कोई व्यक्ति नहीं होता गुरु तत्व होता है। जो अंधकार को भी प्रकाशित कर दे उसे गुरु तत्व कहते हैं। उक्त बातें मुंबई महानगर के नालासोपारा स्थित नवदुर्गा ग्राउंड में आयोजित मानस महाकुंभ में श्री राम कथा का गायन करते हुए आठवें दिन पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने व्यासपीठ से कथा वाचन करते हुए कहीं। सरस श्रीराम कथा गायन के लिए लोक ख्याति प्राप्त पूज्य श्री प्रेमभूषण जी महाराज ने भगवान के वन प्रदेशों की मंगल यात्रा से जुड़े प्रसंगों का गायन करते हुए कहा कि गुरु बनाया नहीं जा सकता है। गुरु तत्व की उपस्थिति से गुरु होते हैं। हम गुरु की शरण में जाते हैं। मंत्रदीक्षा उसी से लो जिसका मार्गदर्शन लेने आप आ जा सको। दीक्षा एक ऐसा संस्कार है जिससे मनुष्य जीवन में चैतन्यता आ जाती है। सत्य शाश्वत और कड़वा है और कड़वा ही फायदेमंद होता है। इसलिए सत्य सुनने का अभ्यास करना चाहिए। सत्य श्रेष्ठ है जिससे झूठे सदा घबड़ाते हैं। पूज्य श्री ने कहा कि मनुष्य जब कथा में रमने लगता है तभी उस कथा भी समझ में आने लगती है। संसार का सुख शाश्वत नहीं है क्योंकि एक दिन यहां से जाना है और कुछ भी नहीं लेकर जाना है। फिर हम क्यों ना इस संसार को बनाने वाले में लगें। जिससे यह संसार है वहीं इसका सार है। भगवान की अगर हम एक कदम चलने का प्रयास करते हैं तो वह हमारे और स्वयं बढ़कर हमारा हाथ थाम लेते हैं। युवा पीढ़ी को योजना तैयार करके अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना चाहिए। पुराणों में वर्णन आता है कि भगवान ने धरती से आसुरी शक्तियों को समाप्त करने के लिए 31 चौकियाँ तैयार करी थी। पूज्यश्री ने कहा कि जब मन पर कलिमल का प्रभाव हो तो चाह कर भी मनुष्य सत्कर्म के पथ पर आगे नहीं बढ़ पाता है। मनुष्य का मन और उसके बुद्धि उसके अपने कर्मों के अधीन है। हम जो भी कर्म करते हैं उसे हमारा क्रियमाण बनता है। यही कर्म फल एकत्र होकर संचित कर्म होता है और फिर कई जन्मों के लिए यह प्रारूप प्रारब्ध के रूप में जीव के साथ जुड़ जाता है। सत्कर्मों से जिसने भी अपने प्रारब्ध को बेहतर बना रखा है, इस जन्म में भी सत्कर्मों में उसी की गति बन पाती है । अन्यथा बार-बार विचार करने के बाद भी हम उस पथ पर अपने को आगे नहीं ले जा पाते हैं। पूज्य श्री ने कहा कि मनुष्य को अपने पूर्व जन्म के कर्मों के आधार पर संचित प्रारब्ध को भोगना ही पड़ता है उसके अनुसार ही उसे इस जन्म में माहौल मिलता है। मृत्यु के बाद हमें हमारे कर्म के अनुसार ही लोक मिलता है। यह सनातन सद्ग्रन्थों में वर्णित है कि अधर्म पूर्वक जीवन जीने वाले को मृत्यु के बाद यमलोक मिलता है और सत्कर्म करते हुए संसार से जाने वाले को प्रभु का लोक मिलता है।

सनातन धर्म और संस्कृति में मनुष्य के लिए इस लोक और परलोक में भी सुख प्राप्ति के लिए प्रभु के चरणों की उपासना के अलावा अन्य कोई साधन नहीं है। परम तत्व की उपासना ही एकमात्र साधन है। मनुष्य के लिए यह भी एक विडम्बना ही है कि वह अपने कर्म के परिणाम के रुप में प्राप्त होने वाले दुख के लिए भी कभी-कभी भगवान को ही दोषी ठहरा देता है। महाराज जी ने कहा कि हर व्यक्ति में अलग-अलग प्रकार की योग्यता है। अपनी योग्यता का आकलन करके ही कर्म करना चाहिए। योग्यता नहीं होने पर उत्तरजीविता नहीं हो पाती है। भरत भैया ने इसीलिए रामचंद्र जी की जगह अयोध्या जी का राज सिंहासन संभालने से मना कर दिया था। मनुष्य जब अपनी योग्यता से भी अधिक प्राप्ति के लिए जुगत लगाने का प्रयास करता है तो वह असफल होता है। इसके लिए भगवान को दोष कैसे दिया जा सकता है? पूज्यश्री ने कहा कि जीवन मे भक्ति नहीं है तो फिर जीवन में कुछ भी नहीं है। आप अगर भगवान की कृपा चाहते हैं तो उनसे कोई संबंध अवश्य स्थापित करें। क्योंकि मनुष्य वहीं आता जाता है जहां उसका संबंध होता है। और अगर हम भगवान की बात करें तो वह मनुष्य के साथ केवल एक ही नाता मानते हैं वह है भक्ति का नाता है। भगवान को जाति-पाती, कुल, धन, प्रतिष्ठा अथवा विद्वता से कुछ भी लेना देना नहीं है। माता शबरी से स्वयं भगवान ने बताया कि मनुष्य के साथ हमारा केवल भक्ति का ही संबंध होता है। भगत का कुछ भी अपना नहीं होता है। सब भगवान का ही होता है और वह अपने को प्राप्त हर वस्तु को भगवत कृपा के प्रसादी ही मानकर चलता है। भगत कभी तनाव में नहीं होता ना कभी उससे आप दम्भ की अवस्था में पाते हैं। पूज्यश्री ने भगवत प्राप्ति के लिए एक महत्वपूर्ण सूत्र सुनाया और कहा - तुलसी इस संसार में सबसे मिलिए धाय, ना जाने किस वेश में नारायण मिल जाए। महाराज श्री ने कहा कि सरल जीवन जीने वाले के लिए ही भगवान स्वयं चलकर मिलते हैं। आप देखें कि भगवान बहुत चलने वालों को नहीं मिले बल्कि उनकी सच्चे हृदय से प्रतीक्षा करने वालों से स्वयं जाकर मिलते हैं। बहुत अधिक कामना वालों से भी भगवान की मुलाकात नहीं होती है। जहां कामना वहां राम ना। प्रतीक्षा में बैठने का अर्थ बेकार बैठे रहना नहीं है बल्कि अपने अंतर में भगवान को स्थापित करने के लिए नियमित भजन करना ही सही तौर पर बैठना है। भगवान श्रीराम की मंगल वन यात्रा से जुड़े प्रसंगों का श्रवण करने के लिय बड़ी संख्या में विशिष्ट जन उपस्थित रहे। पूज्यश्री के सुमधुर कंठ से निकले दर्जनों भजनों से हजारों की संख्या में उपस्थित श्रोतागण झूम कर नृत्य करने के लिए बाध्य हो गए।

बर्फीली गलन बढ़ी तो प्रदर्शनी में कश्मीरी वस्त्र की डिमांड में आयी तेजी

-सुरेश गांधी

वाराणसी। पहाड़ी बर्फबारी के बाद हाड़ कंपाती ठंड के बीच नस्तर सी चुभती गलन से मंगलवार को गरम कपड़ों की खरीदारी में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा मंडलीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में कश्मीरी शॉल, सूट्स व जैकेट की लोंगों को जमकर खरीदारी करते देखा गया। पहलगॉम हैंडलूम वीयर कश्मीरी बाजार के दुकानदार समीर अहमद ने बताया कि आज उनके दुकान पर पशमीना शॉल्स, सूट्स, क्रैप सूट्स, वूलेन सूट्स, स्टोल, स्वेटर, प्योर सेफ्रान, कनी शॉल आदि की डिमांड ज्यादा रही।

अर्बन हॉट प्रांगण, चौकाघाट में 10 जनवरी तक आयोजित इस प्रदर्शनी में अब तक दो करोड़ इकतीस लाख की बिक्री हो चुकी है। प्रदर्शनी में खादी वस्त्रों व ग्रामोद्योगी

वस्तुओं की भी जमकर खरीदारी हो रही है। उपभोक्ता खादी पर 30 प्रतिशत छूट का लाभ उठा रहे है। प्रदर्शनी में मां मुंडेश्वरी म्यूजिक वाराणसी राकेश चौबे संगम एवं टीम द्वारा कवि सम्मेलन की प्रस्तुति दी गई। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी यूपी सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य प्रदेश दूरस्थ स्थानों के कामगारों द्वारा उत्पादित खादी ग्रामोद्योग सामानों की अधिक से अधिक बिक्री हो, ताकि उनकी आजीविका में सुधार हो सकें और महात्मा गाँधी जी का सपना साकार हो। प्रदर्शनी में कुल 113 स्टाल लगाये गये है, जिसमें 25 स्टाल खादी उद्योग एवं 88 स्टाल ग्रामोद्योगी उत्पाद के लगे है।

प्रदर्शनी में खादी के आधुनिक वस्त्र, खादी के बने कटिया, मूंगा और सूती वस्त्र, कुर्ता, पैजामा, शर्ट, गमछा, धोती, रूमाल, लूंगी, रजाई गददे, डिजाईनर साड़ियाँ, बनारसी साड़ियाँ काटन की साड़ियाँ और काश्मीरी शाल, सूट स्टाल, स्वेटर जैकेट एवं उत्तराखण्ड की ऊनी जैकेट एवं सहारनपुर के बने कम्बल, नक्काशीदार सोफा, बेड, दिवान झूला एवं लकडी के बने आधुनिक सामान, प्रतापगढ एवं वाराणसी के ऑवला से निर्मित खाद्य सामग्री जैसे लडडू, बर्फी, कैंडी, सिरका एवं अचार जैसे आम का अचार नीबू का अचार, लहसून का आचार एवं अदरक आचार, कानपुर के बने चमडे के सामान जैसे जूता, चप्पल, बेल्ट, पर्स एवं आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों से बनी दवायें एवं चन्दन, चन्दन फेस पैक एवं रूदाक्ष, अंगूठी और दर्द नाशक तेल प्रदर्शनी में भारी छूट के साथ उपलब्ध है। प्रदर्शनी में आये हुए सभी लोगो से अनुरोध है कि स्वदेशी सामान खरीद कर इस देश को मजबूत बनाइये। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के उद्यमियों को बाजार उपलब्ध कराना एवं विपणन में सहायता व बिक्री के लिये प्रोत्साहित किया जाना है। परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी ने लोगो से मेला में पधारने हेतु अनुरोध किया है।

नयारा एनर्जी ने रोजाना एक ईंधन स्टेशन के साथ अपने रीटेल नेटवर्क का किया विस्तार

नेशनल। भारत की सबसे बड़ी ईंधन रीटेलर और अग्रणी डाउनस्ट्रीम प्लेयर्स में से एक नयारा एनर्जी अपने नेटवर्क में नए रीटेल आउटलेट्स शामिल कर रही है और कई राज्यों जैसे गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान में लगातार विकसित हुई है। कंपनी ने इस साल अपने नेटवर्क में 400 नए रीटेल आउटलेट्स शामिल करने की योजना बनाई है। इन्हीं विकास योजनाओं के तहत नयारा एनर्जी ने नए डीलरों को अपने साथ जोड़ने और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने डीलर प्रोग्राम में भी सुधार किया है। भारत के सबसे नए पेट्रोलियम ब्राण्ड्स में से एक होने के नाते नयारा एनर्जी उपभोक्ताओं को संतोषजनक अनुभव प्रदान करने के लिए ईंधन रीटेल कैटेगरी में नए बदलाव ला रही है। उपभोक्ताओं को नयारा एनर्जी के रीटेल आउटलेट में हमेशा सही मात्रा और अच्छी गुणवत्ता के ईंधन का आश्वासन मिलता है। इस श्रेणी में नए बेंचमार्क स्थापित करते हुए नयारा एनर्जी के ईंधन स्टेशन उपभोक्ताओं की विभिन्न जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रोडक्ट्स और सर्विसेज उपलब्ध कराते हैं, जिसमें उच्च गुणवत्ता के ईंधन, लुब्रिकेन्ट और अन्य सुविधाजनक सेवाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों और शहरी क्षेत्रों में सशक्त मौजूदगी के साथ नयारा एनर्जी के ईंधन स्टेशन महानगरों के दायरे से बढ़कर उभरते भारत की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए प्रयासरत हैं। इस विस्तार पर बात करते हुए नयारा एनर्जी के सीईओ एलेसेंड्रो डेस डोरिडेस ने कहा, ह्यह्यनयारा एनर्जी भारत में लगातार विकसित हुई है और हमारा मानना है कि नव भारत के विकास के साथ हमारे ईंधन रीटेल नेटवर्क का विस्तार अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। हमारे विशेष रूप से डिजाइन किए गए डीलर प्रोग्राम उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराते हैं।

दो महिला थानेदारों की 3 बदमाशों से मुठभेड़, एक बदमाश के पैर में गोली लगी

झांसी(उत्तरशक्ति)। दो महिला थानेदारों ने सोमवार देर रात दंपति से लाखों की लूट करने वाले बदमाशों को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया. इसमें एक बदमाश पुलिस की गोली से घायल हुआ है. सोमवार रात चेकिंग के दौरान मोंठ थानाध्यक्ष सरिता मिश्रा, एरच थानाध्यक्ष नीलेश कुमारी व एसओजी से बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई ।दोनों महिला थानेदारों ने बदमाशों को घेर लिया. खुद को घिरता देख बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी. इस दौरान मोंठ थाना प्रभारी सरिता मिश्रा की गोली एक बदमाश को लग गई. इसी बीच एरच थाना प्रभारी नीलेश कुमारी ने कवर फायर करते हुए तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया. बताया जा रहा है कि आरोपी लूट की योजना बना रहे थे ।बदमाशों ने अपने नाम कपिल कबूतरा, अक्षय, राहुल उर्फ मास्टर बताए हैं ।एसपी गोपी नाथ सोनी ने बताया कि एसओजी, सर्विलांस टीम व थाना मोंठ थानाध्यक्ष, एरच थानाध्यक्ष पुलिस की सयुंक्त टीम द्वारा चेकिंग की जा रही थी। चेकिंग के दौरान मुखबिर व आने जाने वाले लोगों ने बताया कि कुछ बदमाश घटना को अंजाम देने के लिए खड़े हैं। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी गई तो बाइकसवार बदमाशों ने भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग की. आत्मरक्षा के लिए पुलिस टीम ने जवाबी फायरिंग की. इसमें एक शातिर गोली लग गई। दो अन्य को भी दबोच लिया गया। बदमाशों के पास से अवैध असलहे, जिंदा व खोखा कारतूस, लूट का सामान मिला है ।घायल बदमाश को अस्पताल भिजवाया गया है ।बदमाश जनपद एवं उसके आस पास के जिलों में राहगीरों से लूट की घटनाओं को अंजाम देते थे ।इन्हीं बदमाशों ने बीती दीवाली के दिन दंपति से भी लूटपाट की थी।

जनता का करोड़ों रुपए गबन करने वाला नटवर लाल गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मांशीतला चौकियां धाम क्षेत्र में बीते 4 वर्षों श्री गजानन ग्रुप ऑफ इण्डस्ट्रीज नाम से प्राइवेट बैंक चलाने वाले मुखिया को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि उक्त इण्डस्ट्रीज के ऊपर आम जनता के करोड़ों रुपए हड़पने का आरोप है। सोमवार रात्रि को अपने पैसे को वापस पाने की चाहत में सैकड़ों लोग लाइन बाजार थाना क्षेत्र के शीतला चौकिया पुलिस चौकी पर डटे रहे। लोगों की भीड़ को देखते हुये पुलिस ने आरोपित अशोक श्रीवास्तव को लाइन बाजार थाने भेज दिया। अशोक श्रीवास्तव गजानंद ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज का मुख्य संचालक मुखिया बताया जा रहा है। लोगों की मानें तो उक्त इण्डस्ट्रीज लगभग 4 वर्षों से शीतला चौकिया धाम क्षेत्र में अपना शाखा कार्यालय खोलकर सक्रिय था। उसने अगल- बगल क्षेत्र के युवा लड़कों को चुनकर बैंक एजेंट बनाया और एजेंट के माध्यम से आम आदमी की गाढ़ी कमाई को दुगुना करने तथा मासिक आईडी खोलकर रिफंड का लालच देकर करोड़ों रुपए जमा करवाया। इसके बाद बीते 18 नवम्बर 2024 बैंक में अचानक ताला लगाकर चलता बना। सोमवार की सुबह लोगों को सूचना मिली कि अशोक श्रीवास्तव आजमगढ़ जिले मुबारकपुर थाने में ऐसे ही बैंक घोटाले के मामले में पुलिस ने पकड़ा है। शीतला चौकियां धाम से दर्जनों लोग इकट्ठा होकर के आजमगढ़ मुबारकपुर थाने पर पहुंचे जहां अपनी आप बीती बतायी जिसके बाद आजमगढ़ पुलिस ने जौनपुर की लाइन बाजार पुलिस से सम्पर्क किया। लाइन बाजार थाने से पुलिसकर्मी आजमगढ पहुंचे जहां अशोक श्रीवास्तव को रात्रि 8 बजे लेकर शीतला चौकिया पुलिस चौकी लाये जहां बैंक के कई खाताधारक भी मौके पर पहुंच गये। भीड़ जमा होने पर अशोक श्रीवास्तव को पुलिस लाइन बाजार थाने ले जाया गया। वहीं बैंक के मुख्य आरोपी अशोक श्रीवास्तव के पुलिस द्वारा पकड़े जाने पर क्षेत्र के सैकड़ों परिवार के गाढ़ी कमाई पुनः वापस मिलने की सम्भावना बन गयी है। फिलहाल समाचार लिखे जाने तक पुलिस जांच–पड़ताल कर पूछताछ कर रही है।

बीएचयू कुलपति सुधीर जैन का कार्यकाल, पूरा, रेक्टर संजय कुमार को सौंपा चार्ज

-बीएचयू में नए कुलपति के नाम की घोषणा को लेकर अब भी इंतजार है

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) कुलपति सुधीर कुमार जैन का कार्यकाल मंगलवार को पूर्ण हो गया। इस मौके पर प्रो. सुधीर कुमार जैन ने कार्यभार विश्वविद्यालय के रेक्टर कुलगुरू प्रो. संजय कुमार को सौंप दिया। इस दौरासन जैन ने कार्यवाहक कुलपति प्रो. संजय कुमार को शुभकामनाएं भी दी। बता दें, कुलपति के रूप में प्रो. सुधीर जैन का तीन वर्ष का कार्यकाल सोमवार को पूरा हो गया।

कार्यकाल पूर्ण होने के अवसर पर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बीच कुलपति आवास पर आयोजित विदाई समारोह में प्रो. सुधीर जैन भावुक दिखे। उन्होंने कहा कि

बीएचयू और बनारस में जीवन की सबसे अच्छी यादें मिलीं। विश्वविद्यालय की सेवा के दौरान सर्वश्रेष्ठ अनुभव प्राप्त हुए। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय से जुड़ना उनके लिए पूरी तरह एक नया अनुभव था। विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से मिले अपार सहयोग व स्नेह ने उन्हें बीएचयू के विकास के लिए कार्य करने की ऊर्जा व शक्ति दी, जिसके लिए वे सदा आभारी रहेंगे।

कुलपति प्रो. जैन ने कहा कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय व इसके सदस्यों में अपार क्षमता व सम्भावनाएं हैं, अगर आवश्यकता है तो उसे प्रोत्साहन देने तथा नए अवसर उपलब्ध कराने की। कला संकाय के प्रमुख प्रो. माया शंकर पाण्डेय ने कहा कि प्रो. जैन के कार्यकाल में उन क्षेत्रों पर भी कार्य हुआ जिन पर कभी किसी का ध्यान भी नहीं जाता था। विश्वविद्यालय में शैक्षणिक उत्कृष्टता को नए स्तर पर ले जाने में प्रो. जैन का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। कुलगुरू प्रो. संजय कुमार ने कहा कि प्रो. सुधीर कुमार जैन ने विश्वविद्यालय को अनुकरणीय नेतृत्व प्रदान किया, जिसके नतीजे विश्वविद्यालय को लम्बे समय तक लाभान्वित करेंगे। कुलसचिव प्रो. अरुण कुमार सिंह ने बताया कि प्रतिभाओं की पहचान कुलपति प्रो.जैन की विशेषता रही है। प्रो. जैन असाधारण सोच के व्यक्ति हैं और यह उनकी कार्यशैली में भी झलकता है। इस दौरान कुलपति के रूप में प्रो.जैन के कार्यकाल में पांच दीक्षांतों के लिए आयोजित तीन समारोहों की एलबम उन्हें भेंट की गई। विश्वविद्यालय के सदस्यों ने प्रो. जैन को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। बीएचयू में नए कुलपति के नाम की घोषणा को लेकर अब भी इंतजार जारी है।

सामाजिक स्थिरता के लिए पत्रकारों का प्रमुख योगदान: प्रकाश गायकवाड

मीरारोड (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों सहित सभी क्षेत्रों में कई दिग्गजों के पत्रकारिता से जन्म लेने के उदाहरण मौजूद हैं, यही कारण है कि इस क्षेत्र का अद्वितीय सामान्य महत्व है, 24 घंटे 365 दिन काम करने वाले पत्रकारों का सामाजिक स्थिरता में बहुत बड़ा योगदान है, मीरा भायंदर वसई विरार पुलिस आयुक्तालय उपायुक्त प्रकाश गायकवाड ने पत्रकार दिवस के अवसर पर मीरा रोड में, गत 6 जनवरी सोमवार दोपहर 12:00 बजे आयोजित एक कार्यक्रम में व्यक्त किये।

मीरा रोड में जर्नलिस्ट्स यूनियन ऑफ महाराष्ट्र की मीरा भायंदर इकाई द्वारा आयोजित पत्रकार दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए गायकवाड़ ने आगे कहा,

जवाहरलाल नेहरू, लोकमान्य तिलक, बाबासाहेब अंबेडकर जैसे कई महान राजनेता पत्रकारिता से पैदा हुए थे। आज भी पत्रकारों की बहुमूल्य सलाह सामाजिक कार्यकताओं, राजनेताओं और यहां तक ??कि पुलिस के लिए भी उपयोगी है। पिछले साल मीरा रोड पर दंगे की स्थिति को नियंत्रण में लाने में पत्रकारों ने बड़ी भूमिका निभाई थी. जर्नालिस्ट युनियन ऑफ महाराष्ट्र मिरा भाईंदर युनिट आयोजित कार्यक्रम में पोलीस उपायुक्त प्रकाश गायकवाड़, साइबर सेल के इंस्पेक्टर सुजीत कुमार गुंजकर, एंटी नारकोटिक्स के इंस्पेक्टर अमर मराठे को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए और पत्रकार विजय देसाई,वैभव घाग, राजा मयाल, इंग्लिश खान को पत्रकारिता में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आपला रुपेश पाटील सामाजिक संस्था के अध्यक्ष रुपेश पाटील और महेंद्र सातपुते को सामाजिक क्षेत्र मे विशेष कार्य के लिए सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। जर्नलिस्ट यूनियन ऑफ महाराष्ट्र की मीरा भायंदर इकाई के अध्यक्ष नीलेश फापले के नेतृत्व मे कर्यक्रम का अयोजन किया गया था। कार्यक्रम में खवट के महाराष्ट्र महासचिव हेमन्त सामंत,महाराष्ट्र सचिव नामदेव काशिद, खवट के महाराष्ट्र कोषाध्यक्ष दिलीप पटेल, युनियन के मिरा भाईंदर युनिट के सचिव प्रमोद देठे, उपाध्यक्ष शकील अहमद, गणेश मिस्त्री, सतीश साटम, निरंजन नवले, गणेश दिघे, संजय लाड, तारकेश्वर पांडे, सहित सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के कई गणमान्य लोग व भारी संख्यामे पत्रकार बंधु उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने किया कान्यकुब्ज मंडल के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन

मुंबई(उत्तरशक्ति)। कान्यकुब्ज मंडल मुंबई द्वारा प्रकाशित वार्षिक कैलेंडर 2025 का विमोचन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हाथों सह्याद्रि अतिथिगृह, मुंबई में हुआ। इस विशेष अवसर पर आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, मंत्री अजय अ. शुक्ल और कोषाध्यक्ष अरविंद अवस्थी जैसे प्रमुख व्यक्तित्व मौजूद थे। वार्षिक कैलेंडर 2025 को मंडल की गतिविधियों और समाज की प्रगति का प्रतीक माना जाता है।

तलवार से काटकर 16 साल की बेटी की हत्या

शाहजहांपुर(उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से सनसनीखेज वारदात सामने आई है। परौर थाना क्षेत्र के गांव गढ़ी में पिता ने 16 साल की बेटी की गला काटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद पूरा परिवार भाग गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जा रहा है कि आरोपी पिता अपनी बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज था। घटना मंगलवार सुबह चार बजे की बताई जा रही है। गांव के लोगों को सुबह दस बजे जानकारी हुई है। बताया जाता है कि किशोरी का किसी युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था। मामला परिवार वालों की जानकारी में आया तो उन्होंने बेटी को मना किया। बेटी के न मानने पर मंगलवार सुबह करीब चार बजे पिता ने तलवार से गला काटकर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद पूरा परिवार घर से भाग गया है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सुरक्षा की दृष्टि से आसपास की गलियों को सील कर दिया है। किशोरी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। सीओ जलालाबाद अमित चौरसिया ने बताया कि मामला जानकारी में आया है।

शॉर्ट सर्किट से मकान में लगी आग, मची अफरातफरी

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर के थाना सदर बाजार क्षेत्र की किसानों वाली गली में रहने वाले राजीव भारती के मकान में मंगलवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। भारती के मुताबिक आग से उनका करीब ढाई लाख रुपये का नुकसान हुआ है। दमकल यूनिट ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। रोटरी क्लब से जुड़े राजीव भारती का सदर बाजार में किसानों वाली गली में दुकान और मकान है। कुछ समय से वह अपने परिवार के साथ सिटी पार्क कॉलोनी में रहने लगे थे। मंगलवार को दोपहर ढाई बजे उनकी दुकान के ऊपर दूसरे फ्लोर पर बने कमरे में आग लग गई। धुआं निकलता देखकर लोगों ने दमकल यूनिट को सूचना दी। कुछ देर में कमरे के अंदर से लपटें निकलना शुरू हो गई। सूचना पर एफएसओ डॉ.बीएन पटेल अपनी टीम के साथ पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। कमरे में सिलिंडर होने की आशंका के चलते मकान के बाहर जुटी भीड़ को हटा दिया। आधे घंटे के प्रयास के बाद दमकल यूनिट ने बमुश्किल आग पर काबू पाया। राजीव भारती ने बताया कि आग से बेड, घरेलू सामान, दरवाजे आदि जल गए हैं।

शादी से इनकार पर युवक ने दी जान

शाहजहांपुर (उत्तरशक्ति)। शाहजहांपुर के सदर बाजार थाना क्षेत्र के चिनौर निवासी शंभू श्रीवास्तव के पुत्र रितेश उर्फ सुमित श्रीवास्तव (26 वर्ष) ने शादी से करीब एक माह पहले जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी। आरोप है कि लड़की पक्ष बरात में ज्यादा आभूषण लाने का दबाव बना रहा था। इसी वजह से वह तनाव में था। रितेश की मां सीमा श्रीवास्तव पुलिस लाइन की कैंटीन में कार्यरत हैं। डेढ़ साल पहले रितेश का विवाह हरदोई जिले की एक युवती के साथ तय हुआ था। अगले माह 22 फरवरी को उसकी बरात जानी थी। सोमवार की सुबह सीमा काम पर चली गईं। रितेश घर पर अकेला था। इस बीच उसने हलवे में जहरीला पदार्थ मिलाकर खा लिया। हालत गंभीर होने पर भाई रोहित ने उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम हाउस पर आई मृतक की मां सीमा ने बताया कि हमारी ओर से दहेज नहीं मांगा गया था। लड़की पक्ष ही आभूषण ज्यादा लाने का दबाव बना रहे थे। इतनी व्यवस्था नहीं होने पर उन्होंने शादी से इन्कार कर दिया। इससे परेशान होकर बेटे ने जहर खाकर जान दी है। शादी समारोह की बातचीत तय होने के दौरान रितेश पक्ष के लोगों ने कुछ मेहमान बढ़ने की बात कही थी। बताते हैं कि इसी बात को लेकर विवाद हो गया। युवती के भाई ने मेहमान बढ़ाने पर जेवर भी अधिक मांगा। इससे रितेश नाराज हो गया था। रितेश की मां सीमा श्रीवास्तव ने बताया, आभूषण नहीं लाने पर लड़की पक्ष ने शादी से इनकार कर दिया था।

संपत्ति विवाद में बेटों ने की पिता की धारदार हथियार से हत्या अस्पताल ले जाते समय मौत

सुल्तानपुर (उत्तरशक्ति)। सुल्तानपुर जिले की कोतवाली नगर क्षेत्र के हनीफनगर मोहल्ले में संपत्ति के विवाद में मंगलवार सुबह बेटों ने पिता पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में अब्दुल हमीद (65) गंभीर रूप से घायल हो गए। मेडिकल कॉलेज ले जाते समय उनकी मौत हो गई। मृतक अब्दुल हमीद का घर हनीफ नगर स्थित बेलाल मस्जिद के बगल में है। प्रभारी कोतवाल नारद मुनि सिंह ने बताया ने हत्या किए जाने की पुष्टि की। बताया जा रहा है कि मृतक अब्दुल हमीद विद्युत निगम से सेवानिवृत्त हुए थे।

नाले में मिला वृद्ध महिला का शव

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। आजमगढ़ जिले के बरदह थाना क्षेत्र के ईरनी गांव की गौशाला के पास मंगलवार की सुबह नाले में एक वृद्ध महिला का शव मिला। घटना के बाद मौके पर भीड़ एकत्र हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बरदह थाना क्षेत्र के बक्सपुर गांव निवासी फातिमा (75) पत्नी स्व. इजहारुल छह जनवरी की शाम 4.30 बजे अपने घर से निकली थी। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं चल रही थी। वह घूमते हुए गांव के बगल में ही ईरनी गांव की गोशाला के पास बह रहे नाले में गिर पड़ी। इससे उसकी मौत हो गई। आसपास के लोग जब नाले की तरफ से गुजर रहे थे तो देखा एक महिला का शव बह रहा था। घटना की सूचना ग्राम प्रधान व पुलिस के डायल 112 पर दी। मौके पर प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह और पुलिस पहुंच गई। पुलिस शव का शिनाख्त करने में जुट गई। ग्रामीणों ने बताया कि वह बक्सपुर गांव की रहने वाली थी। उसकी तीन बेटी और एक बेटा है। बेटा बाहर रह कर काम करता है। घर पर किसी अन्य सदस्य के न होने के कारण गांव के प्रधान दानिश ने वृद्धा की मौत की जानकारी बरदह थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह को दी।

श्रीमती गुजना इंग्लिश हाई स्कूल का 45वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न

ठाणे(उत्तरशक्ति)। ठाणे शहर स्थित श्रीमती गुजना इंग्लिश हाई स्कूल का 45वां वार्षिकोत्सव व पुरस्कार वितरण समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। पिछले 45 वर्षों से यह विद्यालय मानपाड़ा के आजादनगर में स्थित है। यह समारोह हीरानंदानी मीडोज स्थित डॉ. काशीनाथ घाणेकर हॉल में आयोजित किया गया था। स्कूल संचालक आनंदकुमार पाण्डेय ने बताया कि सन् 1980 में स्थापित अंग्रेजी और हिंदी माध्यम मिलाकर उनके पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक व माध्यमिक विभाग में करीब 3,200 विद्यार्थी अध्ययन कर रहे हैं। इस वार्षिकोत्सव में स्कूल के होनहार और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। "वसुधैव कुटुंबकम्" थीम के तहत आयोजित

इस समारोह में पर्यावरण रक्षा, देश-प्रेम, बेटियों की शिक्षा- सुरक्षा व प्रगति के लिए प्रोत्साहन, बाल सुरक्षा, सभी को शिक्षा, सबको सम्मान जैसे विषय पर कार्यक्रम रखे गए थे। समारोह में उपस्थित प्रमुख अतिथियों में त्रिमूर्ति स्कूल समूह के चेयरमैन बीडी राय, व्यवसायी व समाजसेवक सुरेंद्र पाण्डेय, डॉ दिनकर गौड़, अविनाश दिनेश पांडेय, समाजसेवक प्रदीप पूर्णेकर, अनिल शुक्ला, योगाचार्य विपिन पाण्डेय, सचिन चौबे,अनुराग चौबे,सुशील पाण्डेय,बाबुलनाथ दुबे,लोक कलाकार दीपक सुहाना (छोटका खेसारी), शिवसेना से आशीष दुबे, विक्रम सिंह, सिद्धार्थ पाण्डेय, दत्ता घाडगे, निलेश चव्हाण, सीए अखिलेश पाण्डेय, व्यवसायी रामचंद्र मिश्र, चंद्रशेखर शुक्ल, संजय मिश्र, संजय शुक्ल, प्रेमजी पटेल आदि अतिथियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का सूत्र संचालन शिप्रा डे, पूनम दूबे और प्रिया अवस्थी ने किया। विद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट गौरी राउत और संतोषी तिवारी ने प्रस्तुत किया। आनंदकुमार पाण्डेय, अभय पाण्डेय और राजेश पाण्डेय, शिप्रा डे और संतोष पाण्डेय ने अतिथियों का स्वागत किया तथा अंत में अभिषेक पाण्डेय व तुषार पाण्डेय ने सभी का आभार व्यक्त किया।

महाकुम्भ मे श्रद्धालुओं के लिए रेलवे स्टेशन पर मिल रही मेडिकल ऑब्जर्वेशन रूम की सुविधा

प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। महाकुम्भ-2025 को स्वस्थ और सुरक्षित महाकुम्भ बनाने के डबल इंजन की सरकार के अभियान की सफलता की दिशा में प्रयागराज रेल मण्डल ने जरूरी कदम उठाया है। प्रयागराज रेल मण्डल ने महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे स्टेशनों पर मेडिकल ऑब्जर्वेशन रूम स्थापित किए गये हैं। इन ऑब्जर्वेशन रूम में 24x7 विशेष चिकित्सा सुविधाएं प्रदान किए जाने की व्यवस्था है, ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति में त्वरित और प्रभावी चिकित्सा सेवा प्रदान की जा सके। अधिक गंभीर स्थिति में एंबुलेस की मदद से पेशेंट को संबंधित रेलवे या शहर के मेडिकल हॉस्पिटल में पहुंचाया जा सकेगा। प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग, सूबेदारगंज, नैनी और छिवकी स्टेशन में बने ऑब्जर्वेशन रूम

महाकुम्भ-2025 में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए रेलवे ने आपात स्थित से निपटने और यात्रियों को जरूरी चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए मेडिकल ऑब्जर्वेशन रूम बनाये हैं। इस बारे में प्रयागराज रेल मण्डल के चीफ पीआरओ शशि कान्त ने बताया कि रेलवे ने प्रयागराज जंक्शन, प्रयाग, सुबेदारगंज, नैनी और छिवकी स्टेशन पर ऑब्जर्वेशन रूम स्थापित किए हैं। इन ऑब्जर्वेशन रूम में डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ 24 घंटे मौजूद रहेंगे, जो 8 घंटे की शिफ्ट में ड्यूटी करेंगे। इसमें हर ऑब्जर्वेशन रूम के लिए 15 स्टाफ नर्स, 12 फार्मासिस्ट, 12 हॉस्पिटल अटेंडेंट और 15 हाउस कीपिंग असिस्टेंट नियुक्त किये गये हैं। रेलवे हॉस्पिटल के डॉक्टर्स ड्यूटी के हिसाब से ऑब्जर्वेशन रूम में अपनी सेवाएं देंगे। महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं और तीर्थयात्रियों को त्वरित और ऊच्च गुणवत्तायुक्त उपचार प्रदान करने के लिए इन ऑब्जर्वेशन रूम में सभी जरूरी उपकरण और दवाईयां भी उपलब्ध रहेंगी। रेलवे के इन ऑब्जर्वेशन रूम में एउक्र मशीन, डिफि ब्रिलेटर, ऑक्सीजन कन्सेन्ट्रेटर, ग्लूकोमीटर जैसे प्राथमिक चिकित्सा के मेडिकल उपकरण मौजूद रहेंगे। सर्दी के मौसम, भीड़ और अधिक चलने से हार्ट पेशेंट, साइनस, डायबटीज के पेशेंट को होने वाली समस्याओं का तत्काल प्राथमिक इलाज किया जा सकेगा। समस्या गंभीर होने की स्थिति में रेलवे या शहर के संबंधित मेडिकल हास्पिटल में पेशेंट को पहुंचाने के लिए एबुंलेंस सेवा भी उपलब्ध रहेगी। इसके लिए रेलवे प्रशासन ने शहर के सभी प्रमुख और रेलवे के हॉस्पिटलस से समन्वय स्थापित किया है।

पूर्व महापौर स्व. आर.आर. सिंह की 87वीं जयंती पर होगा सर्वदलीय नेताओं का जमावड़ा

मुंबई(उत्तरशक्ति)। मुंबई के पूर्व एवं प्रथम उत्तर भारतीय महापौर स्व आर आर सिंह की 87वीं जयंती पर माता की चौकी (गायक दिलीप सिंह डडवाल) का आयोजन शुक्रवार 10 जनवरी को शाम 6बजे से आर. आर. सभागृह आर. आर. एजुकेशनल ट्रस्ट मार्ग, म्हाडा, मुलुंड पूर्व पर आयोजित किया गया है। इस अवसर पर सर्व दलों के नेता सांसद वर्षा गायकवाड (अध्यक्ष मुंबई कांग्रेस संजय दीना पाटील (सांसद),पूर्व सांसद रमेश दूबे, मनोज कोटक, पूर्व मंत्री कृपाशंकर सिंह,चंद्रकांत त्रिपाठी, मिहिर कोटेचा (विधायक), वीरेंद्र बक्षी, रामबक्ष सिंह, प्रेनिल नायर, राकेश शेट्टी प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित होकर आर. आर. सिंह के स्मृतियों को व्यक्त कर श्रद्धा सुमन अर्पित करेंगे। आयोजक डॉ. आर. आर. सिंह,बी. के. तिवारी, डॉ. बाबूलाल सिंह, मोहनलाल राज ने सभी श्रद्धालु जनों से इस अवसर पर उपस्थित होकर अपने प्रिय नेता का स्मरण एवं माता की चौकी का आनंद तथा महाप्रसाद ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

बदमाशों ने दुकान में घुसकर तीन पेटी शराब और 45 हजार रुपये लूटे

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। आजगढ़ जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के केवटिया गांव में स्थित देशी शराब की दुकान में मंगलवार की सुबह बाइक सवार तीन से चार बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाशों ने न सिर्फ तीन पेटी शराब व 45 हजार रुपये लूटे बल्कि सेल्समैन के साथ मारपीट भी की। मौके पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुट गई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाल रही है। जांच में सामने आया है कि इन्हीं अभियुक्तों द्वारा बिलरियागंज में भी शराब के ठेके पर लूट की गई थी। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि रौनापार थाना क्षेत्र के केवटिया गांव में स्थित देशी शराब की दुकान है। मंगलवार की सुबह करीब पांच बजे सूचना मिली कि कुछ बदमाश शराब की दुकान पर आए और तीन पेटी शराब व पेटी में रखे 45 हजार रुपये लूट लिए। वहां मौजूद सेल्समैन ने उनका विरोध किया तो उसे भी मारपीट कर फरार हो गए। लूट की सूचना मिलते ही रौनापार थाना प्रभारी व सीओ सगड़ी भी मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गए। वहीं, एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पुलिस घटनास्थल पर जांच पड़ताल कर रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए तीन टीम गठित की गई है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी। उक्त बदमाशों ने ही बिलरियागंज में शराब की दुकान में हुई लूट की घटना को अंजाम दिया था।

केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने स्वरूपनगर में इचामती नदी पर पुल का किया शिलान्यास

पटना(उत्तरशक्ति)। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने आज यहां सिंगल लेन सड़क पुल की आधार शिला रखी। नए आरसीसी पुल को यात्रियों के लिए सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित करने, निर्बाध नौवहन की सुविधा मुहैया कराने, क्षेत्रीय विकास और संपर्क लक्ष्यों को समर्थन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। नया आरसीसी पुल 2 टन तक के भार के साथ यात्रियों और माल की सुरक्षित आवाजाही में सहायक होगा। करीब 16 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस नए पुल का सभी मौसम में उपयोग किया जा सकेगा। यह पुल 64 मीटर लंबा होगा तथा इस में दोनों ओर 120 मीटर की एप्रोच सड़कें होंगी। यातायात और सुरक्षा में सुधार के प्रयासों के तह स्वूपनगर में इचामती नदी को पार करने के लिए बने मौजूदा बांस के पुल की जगह इस आरसीसीपुल को बनाया जा रहा है। बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अंतर्गत देश में अंतदेर्शीय जलमार्ग विकास के लिए नोडल एजेंसी, भारतीय अंतदेर्शीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) 16 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश से इस सिंगल लेन पुलका निर्माण कर रही है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने कहा, आज एतिहासिक अवसर है क्योंकि इलाकों के लोगों की लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा का सम्मोन करते हुए हम स्वतरूप नगर में पुल की आधारशिला रख रहे हैं। इससे न केवल पहुंच आसान होगी बल्कि क्षेत्र के लिए इलाके में आर्थिक समृद्धि के द्वार भी खुलेगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सक्षम नेतृत्व में हमारी सरकार राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 44 यानी इचामती नदी के महत्वपूर्ण हिस्सों पर ड्रेजिंग के साथ नौवहन में सुधार के लिए कई परियोजनाओं पर काम कर रही है। हम मोदीजी के विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में पश्चिम बंगाल के बुनियादी ढांचे के विकास और समृद्ध जलमार्ग नेटवर्क को सशक्त बनाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हैं। आईडब्ल्यूएआई ने ठह 44 पर प्रमुख नदी खंडों पर नौवहन क्षमता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास शुरू किए हैं। इस पहल के अंतर्गत जलकुंभी, खरपतवार और अपशिष्ट पदार्थ - जिसमें प्लास्टिक और गैर-प्लास्टिक दोनों तरह के मलबे के साथ-साथ प्राकृतिक और कृत्रिम रूप से डंप किए गए पदार्थ शामिल हैं तक साफ किया गया है।

शिक्षक सेना के राज्य स्तरीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे उद्धव ठाकरे

मुंबई(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य शिक्षक सेना का एक दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवेशन दिनांक 10 फरवरी 2025 सोमवार आर. आर. एजुकेशन ट्रस्ट ग्राउंड, मुलुंड (पूर्व), मुंबई में आयोजित। इस सत्र में शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, प्राचार्यों और संस्थानों के प्रबंधन की समस्याओं पर व्यापक चर्चा होगी. इसके अलावा जिला परिषद, नगर परिषद, नगरपालिका स्कूल, अनुदान प्राप्त स्कूल, विनाअनुदानित प्राथमिक स्कूल, माध्यमिक स्कूल, जूनियर कॉलेज, नाइट स्कूल, आश्रम स्कूल, वस्तिशाला, अल्पसंख्यक स्कूल, स्वयं अर्थसहाय्यित स्कूल के साथ-साथ मौसमी आधार पर और प्रति घंटा के आधार पर शिक्षकों की नियुक्ति की जाती है। पेंशन

योजना आदि से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर दो सत्रों में चर्चा की जाएगी और सरकार इन विभिन्न समस्याओं के संबंध में समाधान निकालेगी। साथ ही समस्या के समाधान के लिए पारित प्रस्ताव की जानकारी सरकार को दी जायेगी.

इस सम्मेलन का उद्घाटन उद्धव ठाकरे पार्टी प्रमुख (शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा. शिवसेना नेता एवं पूर्व उद्योग मंत्री सुभाष देसाई, सांसद संजय राऊत, पूर्व सांसद विनायक राऊत, सांसद अनिल देसाई, सांसद संजय पाटिल, विधायक अनिल परब आदि वरिष्ठ शिवसेना नेता मौजूद रहेंगे। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में शिक्षकों, शिक्षकेतर कर्मचारियों, प्राचार्यों, संस्थान प्रबंधकों से भाग लेने का अनुरोध किया गया है और संगठन की ओर से बताया गया है कि राज्य भर से पांच से छह हजार शिक्षक उक्त सम्मेलन में भाग लेंगे।

उत्तर यादव युवा संघ का 26वां यादव महोत्सव हेतु बैठक संपन्न

मुंबई। यादव समाज की अग्रणी सामाजिक संस्था, उत्तर यादव युवा संघ रजि. की बैठक, संघ के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव की अध्यक्षता में रविवार को नागरिक सभा हाल मुलुंड, मुंबई में आयोजित की गई। जिसमें 26 वें यादव महोत्सव की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। बैठक के अंत में राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक अमरजीत श्रीनाथ यादव का जन्मदिन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष के अतिरिक्त राष्ट्रीय महासचिव विजय बहादुर यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, राष्ट्रीय सचिव गण जीतेन्द्र जगरदेव यादव, चौधरी रामप्रवेश बब्बन यादव, सुरेश चन्द्रबदन यादव, राष्ट्रिय उपाध्यक्ष गण ईश्वर देव यादव, राजकुमार यादव, पारसनाथ यादव, राज बहादूर यादव व शिक्षा समिति अध्यक्ष शिवनारायण यादव, पालघर जिलाध्यक्ष गुलाब यादव, नवी मुंबई जिलाध्यक्ष सुभाष यादव, थाने जिलाध्यक्ष विमलेश यादव, भिवंडी जिलाध्यक्ष रामदेव यादव सहित सभी सम्मानित पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा तन मन धन से 26 वें यादव महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक का संचालन राष्ट्रीय सचिव चौधरी रामप्रवेश बब्बन यादव ने किया। बैठक के अंत में सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रगान के साथ बैठक समाप्त हुई।

पांच सदस्यों की गोली मार कर हत्या के आरोपी के घर पर कुर्की का नोटिस चस्पा

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। वाराणसी जिले में भदैनी हत्याकांड के आरोपी विशाल कुमार गुप्ता उर्फ विक्की के घर पर मंगलवार को भेलूपुर थाने की पुलिस ने कुर्की का नोटिस चस्पा किया। 5 नवंबर 2024 को एक परिवार के पांच लोगों की गोली मार कर हत्या की गई थी। पुलिस मंगलवार को आरोपी विक्की के घर पहुंची और डुगडुगी पिटवाते हुए कुर्की का नोटिस उसके घर पर चस्पा कराया। इस दौरान डुगडुगी की आवाज सुनकर आसपास के लोग घरों से बाहर निकलकर देखने लगे। पुलिस ने बताया कि बीते नवंबर से पांच लोगों की हत्या का आरोपी फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। वाराणसी में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। भदैनी इलाके में एक बहुमंजिला मकान के अलग-अलग तल से मंगलवार को एक महिला, उसके दो बेटों और एक बेटी का शव मिला था। जबकि घटनास्थल से लगभग 14 किलोमीटर दूर मीरापुर रामपुर स्थित निमार्णाधीन मकान में महिला के पति का अर्धनग्न शव बेड पर मिला। उसे भी गोली मारी गई थी। पांचों की कनपटी और सीने में गोली मारी गई थी। भदैनी पावर हाउस के सामने की गली में राजेंद्र गुप्ता (56) का पांच मंजिला (भूतल और चार मंजिला) मकान है। मकान के अगले हिस्से में प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल पर राजेंद्र का एक-एक फ्लैट है। जबकि, अन्य फ्लैट और उससे सटे टिनशेड में 40 किरायेदार रहते हैं। राजेंद्र के साथ घर में मां शारदा देवी के अलावा उसकी दूसरी पत्नी नीतू (45), बेटे नमनेंद्र (24) व सुबेंद्र (15) और बेटी गौरांगी (17) रहते थे। 5 नवंबर दिन मंगलवार की सुबह 11 बजे घर की सफाई करने के लिए रीता देवी प्रथम तल स्थित फ्लैट पर पहुंची। दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई आवाज नहीं आई। इस बीच रीता ने धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया। अंदर जाने पर रीता ने देखा कि नीतू फर्श पर खून से लथपथ निढाल पड़ी थी। वह भाग कर दूसरे तल पर स्थित फ्लैट में गई तो वहां एक कमरे में नमनेंद्र फर्श पर खून से लथपथ पड़ा था और गौरांगी एक कोने में मृत पड़ी थी। वहीं, सुबेंद्र का शव बाथरूम में मिला। सूचना पाकर पुलिस पहुंची तो राजेंद्र घर पर नहीं था।